आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

स्वतंत्रता दिवस पर शुभकामनाएं

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 40 अंक 15 | इंदौर, शनिवार 15 अगस्त, 2026 | श्रावण शुक्ल 3 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

देश विदेश

बैंकॉक में 28 घंटे से फंसे भारत के 200 लोग

नई दिल्ली। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भारत के 200 लोग गुरुवार शाम से फंसे हैं। वे एअर इंडिया की फ्लाइट से वापस भारत लौट रहे थे, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण फ्लाइट रनवे से वापस लौट आई यात्रियों में कई मध्य प्रदेश के भी हैं। उनका कहना है कि एअर इंडिया ने न तो फ्लाइट कैंसिल की और न ही रिफंड किया। कभी 2 तो कभी 4 घंटे फ्लाइट डिले बताई जा रही है। इस तरह 28 घंटे बीत चुके हैं। यात्रियों ने बताया कि गुरुवार शाम 4-5 बजे से ही एयरपोर्ट पहुंचे थे। हम बहुत परेशान हैं। 28 घंटे से सिर्फ इंतजार ही कर रहे हैं, लेकिन कोई दूसरी फ्लाइट अरेंज नहीं की जा रही है। एअर इंडिया के किसी भी अधिकारी ने बात नहीं की है शुक्रवार को सिर्फ चेक इन और चेक आउट ही कर रहे हैं। छोटे बच्चे और महिलाएं भी हैं। सब नौकरीपेशा हैं। घंटों से परेशान हो रहे हैं। इंदौर की दिव्या माहेश्वरी ने बताया कि वह अपनी बुआ के साथ घूमने आई थीं। गुरुवार की शाम 5.30 बजे बैंकॉक से वापसी की एअर इंडिया की फ्लाइट थी। यह फ्लाइट दिल्ली के लिए थी।

अवकाश सूचना

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को दैनिक अवन्तिका परिवार अवकाश पर रहेगा। अतः अगला अंक 17 अगस्त सोमवार को प्रकाशित होगा। - प्र.सं.

नगर निगम इंदौर के सहायक राजस्व अधिकारी के यहां लोकायुक्त का छापा

रेवेन्यू-ऑफिसर ने पत्नी के नाम खरीदी करोड़ों रुपये की 2 बिल्डिंग

बेटे-बेटी के नाम कई गाड़ियां, आय से 216% ज्यादा प्रॉपर्टी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

नगर निगम इंदौर के सहायक राजस्व अधिकारी जितेंद्र कुमार पांडेय के ठिकानों पर लोकायुक्त ने छापा मारा है। शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे लोकायुक्त के 20 अधिकारियों की दो अलग-अलग टीमें पांडेय के घर और उनकी पत्नी भावना के नाम हॉस्टल पर पहुंचीं। इनमें डीएसपी सुनील तालान, आनंद चौहान, निरीक्षक आशुतोष मिठास और सचिन पटेरिया शामिल हैं।

प्रारंभिक जांच में एआरओ पांडेय की वैध आय की तुलना में करीब 1.73 करोड़ रुपए की अनुपातहीन संपत्ति मिलने की बात सामने आई है। लोकायुक्त एसपी राजेश सहाय के मुताबिक, पांडेय नगर निगम में करीब 31 वर्ष से नौकरी कर रहे हैं। पूरे सेवाकाल में उन्हें करीब 80 लाख रुपए वेतन के रूप में मिलने का अनुमान है। इसके मुकाबले जांच में करीब 2.53 करोड़ रुपए का खर्च सामने आया है। यह वैध आय से करीब 1.73 करोड़ रुपए ज्यादा और 216.35 प्रतिशत अनुपातहीन बताया गया है।

लोकायुक्त की प्रारंभिक जांच में भावना पांडेय के नाम पर आनंद नगर एक्सटेंशन में एक इमारत मिली है। नवलखा-चितावद इलाके में 40X50 फीट के प्लॉट पर जी+3 भवन बना हुआ है। इसके निर्माण पर करीब 1.20 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। इसी तरह गजाधर नगर, चितावद के गुलमोहर का बगीचा इलाके में भावना पांडेय के नाम जी+2 बिल्डिंग मिली है। इसमें हॉस्टल चलने की जानकारी सामने आई है।

पत्नी, बेटे-बेटी के नाम कई गाड़ियां

जांच में एआरओ जितेंद्र कुमार पांडेय की पत्नी, बेटे और बेटी के नाम कई चार पहिया और दोपहिया वाहन खरीदे जाने की जानकारी भी सामने आई है। इन पर करीब 14 लाख रुपए के खर्च का आकलन है। अधिकारियों के मुताबिक, अभी सामने आए आंकड़े प्रारंभिक हैं। दस्तावेजों और अन्य संपत्तियों के सत्यापन के बाद ही अनुपातहीन संपत्ति का अंतिम आकलन किया जाएगा।

उत्तराखंड के चमोली की टनल में पानी भराया, 7 की मौत

एजेंसी ▸▸ चमोली

उत्तराखंड में चमोली जिले के पीपलकोटी में गुरुवार शाम करीब 7 बजे निर्माणाधीन टनल में पानी और मलबा भर जाने से 7 लोगों की मौत हो गई। 3 अभी भी टनल में फंसे हैं, जिन्हें बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। टनल में कुल 22 लोग फंसे थे। इसमें 12 मजदूरों को निकाल लिया गया है।

वहीं, घायलों से मिलने जा रहे गढ़वाल सीट से लोकसभा सांसद अनिल बलूनी की चलती कार पर पहाड़ से एक बोल्डर गिर गया। इससे कार का अगला हिस्सा डैमेज हो गया और हेडलाइट टूट गई। हालांकि, हादसे में कोई घायल नहीं हुआ। यूपी के कई जिलों में तेज बारिश हो रही है। कानपुर में गंगा का पानी खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाट किनारे 100 से ज्यादा छोटे मंदिर डूब गए हैं।

देश के नाम राष्ट्रपति का संबोधन

सिंधु जल संधि को निलंबित करना राष्ट्रीय हित में सही कदम : द्रौपदी मुर्मू

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देश को संबोधित किया। उन्होंने देश-विदेश के भारतीयों को बधाई दी और स्वतंत्रता के 80वें वर्ष के आगाज पर हर नागरिक से देश की प्रगति और तरक्की में योगदान देने का आह्वान किया।

80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश को संबोधित किया। उन्होंने सभी देशवासियों को स्वाधीनता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने कहा कि अब से कुछ ही घंटों बाद हमारे देश की स्वतंत्रता के 80वें वर्ष का शुभारंभ होने जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। नागरिक राष्ट्र के लिए सदैव जागरूक रहें।

राष्ट्रपति ने कहा कि देश और दुनिया भर में रहने वाले सभी भारतीय इस पावन अवसर को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि हम भारत के लोग अपने-अपने सपनों को साकार करें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि भारत की निरंतर प्रगति और तरक्की में योगदान देना ही हमारी स्वतंत्रता की सच्ची सार्थकता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यह भी कहा कि न्यायिक व्यवस्था से जुड़े हर व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह यह सुनिश्चित करे कि संसाधनों की कमी के कारण किसी को भी न्याय से वंचित न रहना पड़े। आतंकवाद को पनाह देने वाले देश के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करना राष्ट्रीय हित में, खासकर किसानों के लिए, एक निर्णायक कदम है।

समय रैना समेत पांच कॉमेडियन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने किया केस रद्द

एजेंसी ▸▸ मुंबई

दिव्यांगों के खिलाफ कमेंट के केस में सुप्रीम कोर्ट ने कॉमेडियन समय रैना समेत पांच के खिलाफ दर्ज केस शुक्रवार को रद्द कर दिए। इन पर इंजियाज गॉट लेटेंट शो में दिव्यांगों के खिलाफ कमेंट और उनका मजाक उड़ाने एफआईआर दर्ज की गई थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने ही दिव्यांगों के जागरूकता लाने की कोशिशों पर इन कॉमेडियंस की तारीफ की। अदालत ने दिव्यांगों और स्पाइनल मस्कुलर एट्रॉफी जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए चेस टूर्नामेंट कराने पर कहा कि ये प्रतिभाशाली युवा हैं। अदालत ने कॉमेडियन समय रैना, विपुल गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर के खिलाफ दर्ज केस रद्द कर दिए।

जहरीली गैस ने 4 लोगों की जान ली

एजेंसी ▸▸ पटना

बिहार के गयाजी जनपद के डोभी थाना क्षेत्र के गढ़ करमौनी गांव में खेत की सिंचाई के लिए लगे समरसेबल पंप को ठीक करने पुराने कुएं में उतरे चार ग्रामीणों की संदिग्ध जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एक ग्रामीण को बचाने के प्रयास में एक के बाद एक चार लोग कुएं में उतरते गए और कुछ ही मिनटों में यह कोशिश दर्दनाक हादसे में बदल गई। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन, अग्निशमन विभाग और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी 31 श्रद्धालु घायल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ पन्ना

मप्र के पन्ना जिले में मैहर से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली कालिंजर घाटी के पास बेकाबू होकर पलट गई। इस हादसे में महिलाओं और बच्चों समेत कुल 31 लोग घायल हो गए। हादसा पहाड़ीखेरा-कालिंजर घाटी मार्ग पर सामने से आ रहे एक ट्रक को बचाने के दौरान हुआ। हादसे की सूचना मिलने पर डायल 112, बृजपुर और पहाड़ीखेरा पुलिस की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया।

नैनो न्यूज

- **इस्लामाबादः** पाकिस्तानी पीएम की धमकी- पानी रोका तो मुंहतोड़ जवाब देंगे, कश्मीर पर रुख कभी नहीं बदलेंगे, मुनीर की लीडरशिप में हमने दुश्मन को हराया।
- **नई दिल्लीः** वांगचुक बोले- 2047 तक भारत विकसित देश नहीं बन पाएगा, श्रीलंका-बांग्लादेश जैसे देश हमसे आगे, सही नेतृत्व मिले, इसके लिए शांतिपूर्ण क्रांति जरूरी।
- **कीवः** नेतन्याहू ने ब्रिटेन को बताया इस्लामिक रिपब्लिक, बोले- परमाणु हथियार रखने वाला पहला ऐसा देश होगा, इजराइल को लेकर इंग्लैंड में सोच बदली।
- **नई दिल्लीः** डोभाल बोले- भारत की सहनशीलता को कमजोरी न समझें, भारत सख्त जवाब दे सकता है, 88 घंटे ऑपरेशन सिंदूर चलाया, आतंकी कैंप तबाह किए।
- **नई दिल्लीः** जुलाई में थोक महंगाई 9.87% से घटकर 9.78% हुई, ईंधन और बिजली में थोड़ी राहत, लेकिन खाने-पीने की चीजें महंगी।
- **वाशिंगटनः** ट्रम्प ने ड्रोन इंपोर्ट पर 100% तक टैरिफ लगाया, राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया, चीनी कंपनियों को सबसे ज्यादा नुकसान।

पहली बार जनगणना में जाति पूछी जाएगी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने जनगणना-2027 के लिए 40 सवालों की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें लोगों से एससी, एसटी या अन्य जाति के बारे में पूछा जाएगा। आजादी के बाद यह पहली बार होगा जब सभी समुदायों की जाति की जानकारी जनगणना में दर्ज की जाएगी। इससे पहले 2011 की जनगणना के फॉर्म में 29 सवाल थे। इसमें जाति से जुड़ी जानकारी के लिए सिर्फ एससी/एसटी का विकल्प था।

आरोपी पूर्व टीएमसी विधायक पर हमला

एजेंसी ▸▸ परगना

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल की डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में गिरफ्तार पूर्व टीएमसी विधायक निर्मल घोष पर भीड़ ने हमला किया। पुलिस उन्हें नॉर्थ 24 परगना जिले के खरदह थाने से बैरकपुर कोर्ट ले जा रही थी। इसी दौरान भीड़ ने उन्हें घेरकर लात-घूंसों से पीटा। लोगों ने जूते-चप्पल, अंडे और कीचड़ भी फेंका।

स्वतंत्रता दिवस की जन जन को हार्दिक शुभकामनाएं

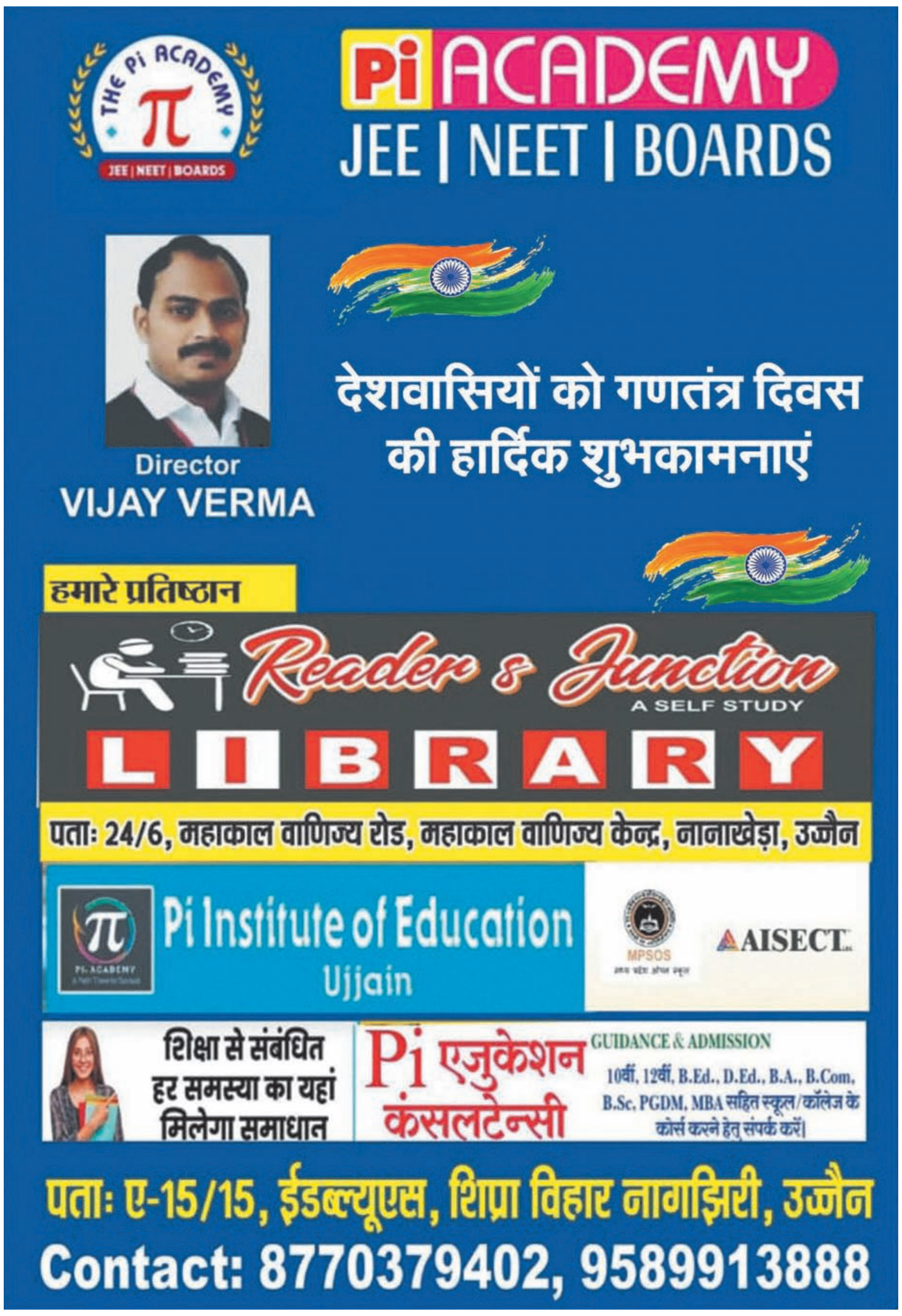

महाकाल श्रृंगार

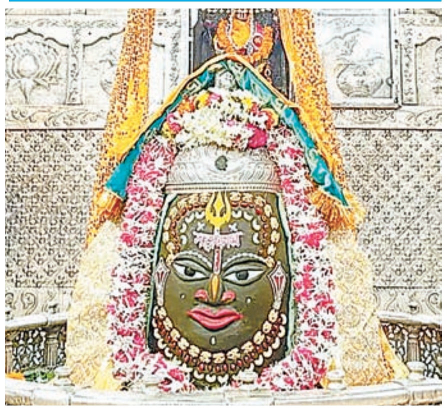

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का गुरुवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

खुसूर-फुसूर

चुनौती पूर्ण रहेगा त्रि संयोग

यूं तो मंदिर के व्यवस्थापकों के लिए अब हर दिन ही चुनौती लेकर आता है। सिर्फ मंदिर ही नहीं प्रशासन एवं वर्दी के लिए भी शहर में इससे चुनौती के हाल बने रहते हैं। आवागमन व्यवस्था को लेकर जुझते हुए जैसे तैसे आवागमन की स्थिति बनी हुई है। अव्यवस्था के कारणों को जानने के साथ ही उसे भी नियंत्रित किया जा रहा है। वर्षा के मौसम में बाढ़ आने पर जिस तरह की स्थिति होती है वैसे ही हाल कई बार मंदिर में भी हो रहे हैं। आस्था और श्रद्धा का रैला पहुंच रहा है। इस बीच अति विशिष्ठ भी बराबर सम्मान पा रहे हैं। कुछ भी व्यवस्थाओं को जैसे तैसे अंजाम दिया जा रहा है। प्रति दिन की संख्या ही इतनी सामने आ रही है जो औसत आंकडों से दुगनी और ढाई गूना तक पहुंच रही है। अब ऐसे हालातों में एक त्रि संयोग की स्थिति भी आ रही है। इस त्रि संयोग के लिए वैसे तो अभी से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और अलग-अलग व्यवस्था दर्शनों एवं सवारी के लिए की जा रही है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं मूलभूत सुविधाओं को लेकर व्यवस्था में चिंता ली गई है और उसे अंजाम देने के लिए धरातल को भी बराबर देखा जा रहा है। इस दौरान व्यवस्था में लगे कर्मचारियों को धैर्य भी रखना है और श्रद्धालुओं के साथ समन्वित एवं सम्मानजनक व्यवहार भी करना है इस पर भी विशेष ध्यान दिया जाना जरूरी हो गया है। हाल ही में सवारी के दौरान कुछ ऐसा भी हुआ था जो सोश्यल मीडिया पर अच्छा संदेश नहीं छोड़ गया है। ऐसे मामलों पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक हो गया है। खासकर ऐसे आयोजनों में तो विशेष सतर्कता संवाद पर रखी जाना आवश्यक है। खुसूर-फुसूर है कि यह वास्तविकता है कि श्रद्धालुओं की संख्या के आगे व्यवस्थापकों की संख्या काफी कमजोर है। मंदिर से लेकर सडक तक यही स्थिति है। इस बीच भी हमारे व्यवस्थापक काफी बेहतर परिणाम दे रहे हैं। मंदिर का वर्दी केंद्र और उसका अमला कागजों में ही चल बना है उसकी वास्तविकता में कब नियुक्ति होगी और कब वह धरातल पर उतरेगा वो भविष्य के गर्त में है। अभी तो त्रि संयोगी स्थिति को संभाल कर पूरा पर्व सुरक्षा और व्यवस्थाओं के दायरे में पूर्ण करना चुनौती पूर्ण रहने वाला है।

नैनो न्यूज

- कन्या महाविद्यालय में एनएसएस और एनसीसी का आयोजन, आगामी सिंहस्थ में साइबर मित्रों की भूमिका पर भी हुई चर्चा
- शामियाना महोत्सव में महाकाल टेंट संघ ने की घोषणा, हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष ने कहा-जमीन दिलाने में मदद करेंगे
- शहीदों को नमन और पौधरोपण कर मनाया वर्ल्ड लेफ्ट हैंडर्स डे, उज्जैन लेफ्टी क्लब ने शहीद पार्क में आयोजित किया कार्यक्रम
- मर्चेंट एसोसिएशन के संचालक मंडल की बैठक में लिया गया निर्णय, यह निर्णय दौलतगंज होलसेल किराना मर्चेंट एसोसिएशन के संचालक मंडल की बैठक में लिया गया।
- 5वें सरीसृप रक्षा अभियान में सर्प विशेषज्ञ देंगे विष और सांपों से बचाव की जानकारी, प्रातः 7 बजे कोठी रोड पर 5वां सरीसृप रक्षा अभियान आयोजित होगा।
- मौन तीर्थ में समाजजनों के साथ किया मंथन, गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय किरोड़ी सिंह बैंसला सड़क मार्ग से उज्जैन पहुंचे।
- ब्रह्माकुमारी संस्था व एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजन, युवाओं को सकारात्मक जीवन के लिए किया प्रेरित
- गीता कॉलोनी स्थित सिंधी धर्मशाला में संपन्न हुए चुनाव, 100 वोट पाकर हासिल की जीत, चुनावों में वासवानी को 100 वोट मिले, जबकि तुलसीदास को 50 वोट प्राप्त हुए।
- ई-अटेंडेंस व्यवस्था ध्वस्त, प्रदेशभर के लाखों शिक्षक परेशान, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए लागू की गई ई-अटेंडेंस व्यवस्था

ट्रेंडिंग

पोल शिफ्टिंग का कार्य अब रहवासियों और भवन मालिकों के लिए परेशानी का कारण बन रहा

चौड़ीकरण के बीच बिल्डिंग के सेंटर में पोल, शिकायत के बाद भी नहीं हुई सुनवाई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शहर के कंठाल से बड़ा सराफा मार्ग के चौड़ीकरण के दौरान पोल शिफ्टिंग का कार्य अब रहवासियों और भवन मालिकों के लिए परेशानी का कारण बनता नजर आ रहा है। चौड़ीकरण के लिए नागरिकों द्वारा अपनी जमीन और घर का हिस्सा बिना किसी विरोध के प्रशासन को उपलब्ध कराने के बावजूद पोल शिफ्टिंग में बरती जा रही लापरवाही को लेकर लोगों में नाराजगी है।

बताया जा रहा है कि चौड़ीकरण के बाद विद्युत पोल को निर्धारित स्थान पर शिफ्ट करने के बजाय एक भवन के सेंटर में ही पोल खड़ा कर दिया गया है। इससे भवन के उपयोग, आवागमन और भविष्य में निर्माण कार्य को लेकर परेशानी की स्थिति पैदा हो गई है। संबंधित भवन मालिक द्वारा मामले की शिकायत अधिकारियों से किए जाने के बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं होने का आरोप लगाया गया है।

जमीन दी, सहयोग किया, फिर भी परेशानी

कंठाल से बड़ा सराफा क्षेत्र के चौड़ीकरण के दौरान कई भवन मालिकों और रहवासियों ने शहर के विकास और सड़क चौड़ीकरण के लिए प्रशासन का सहयोग किया। नागरिकों का कहना है कि उन्होंने अपनी जमीन और घर का हिस्सा बिना किसी विरोध के उपलब्ध कराया, ताकि सड़क चौड़ी हो सके और क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर हो। इसके बावजूद निर्माण और पोल शिफ्टिंग के दौरान यदि इसी तरह की अव्यवस्था सामने आती है तो नागरिकों की परेशानी बढ़ना स्वाभाविक है। **शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं-** स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि पोल की स्थिति को लेकर संबंधित विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों को शिकायत की गई, लेकिन शिकायत के बावजूद मौके पर जाकर स्थिति का उचित समाधान नहीं किया गया। लोगों का कहना है कि यदि पोल को भवन के बीच में ही रखा जाता है तो भविष्य में सुरक्षा और उपयोगिता से जुड़े कई सवाल खड़े हो सकते हैं।

जिम्मेदार विभाग से मौके का निरीक्षण कराने की मांग

रहवासियों और भवन मालिकों ने प्रशासन से मांग की है कि मौके का तत्काल निरीक्षण कर पोल की स्थिति की जांच की जाए तथा यदि पोल गलत स्थान पर स्थापित हुआ है तो उसे निर्धारित और सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कराया जाए। साथ ही चौड़ीकरण कार्य से प्रभावित नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाए। नागरिकों का कहना है कि शहर के विकास कार्यों में जनता का सहयोग तभी सार्थक होगा, जब प्रशासन भी प्रभावित लोगों की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी दिखाए। चौड़ीकरण के लिए नागरिकों द्वारा किए गए सहयोग के बाद अब प्रशासन से भी कॉर्पोरेटिव रवैया अपनाते हुए समस्या का स्थायी समाधान करने की अपेक्षा है।

बस किराया 37 प्रतिशत तक बढ़ा, संचालकों की बल्ले-बल्ले

संचालक भी होले-होले बोले 25 फीसदी से ज्यादा जरूरत नहीं थी

मोटरयान नियम में सुविधा का जिक्र किताब तक सिमटा, जमीनी हकीकत अलग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

परिवहन विभाग ने बसों में किराया करीब 37% तक बढ़ा दिया है। फैसले से बस संचालकों की चांदी हो गई, लेकिन रोज सफर करने वाले यात्रियों की जेब सपाट हल्की हो रही है। बस संचालक भी होले-होले ही सही यह मान रहे हैं कि इतनी बढ़ोतरी की जरूरत नहीं थी। किराया वृद्धि के साथ ही मोटरयान अधिनियम में सुविधा का जिक्र है लेकिन जमीन पर यह सुविधा नहीं मिल रही है।

बसों में नियमों के पालन को लेकर हमेशा से ही विवाद की स्थिति रही है। न तो बसों में टिकिट ही दिया जा रहा है और न ही परिवहन विभाग के समय-समय पर जारी होने वाले नियमों का ही पालन हो रहा है। मात्र सवारियों से यात्री किराया वसूली ही सीधे तौर पर हो रही है। इस बेतहाशा किराया वृद्धि को लेकर प्रतिदिन यात्रा करने वाले यात्री सवाल उठा रहे हैं कि क्या मध्यप्रदेश मोटरयान नियम 1994 और केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम 1988 के प्रावधानों के तहत किराया बढ़ाने से पहले यात्री सुविधा को भी देखना जरूरी नहीं था।

क्या कहता है नियम-कानून- केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम 1988 धारा 67 कहती है कि राज्य सरकार को रूट पर बसों का किराया तय करने का अधिकार है। लेकिन किराया तय करते समय ईंधन की कीमत, परिचालन लागत, यात्रियों की क्रय शक्ति और सेवा की गुणवत्ता को ध्यान में रखने का प्रावधान है। इसी प्रकार मध्यप्रदेश मोटरयान नियम 1994 में नियम 100 से 103 कहता है कि राज्य परिवहन प्राधिकरण किराया तय करने से पहले जनसुनवाई और आपत्ति ले सकता है। नियमों में साफ है कि किराया वृद्धि के साथ बस की फिटनेस, सफाई, समयबद्धता और यात्री सुविधाओं का आकलन जरूरी है। यात्रियों का कहना है कि इस बार 37 फीसदी वृद्धि एकमुश्त की गई। न कोई सार्वजनिक चर्चा हुई, न सुविधा बढ़ाने का रोडमैप दिया गया।

धीरे से ही सही मान रहे ज्यादा है- यात्री किराया वृद्धि को लेकर तर्क दिया जा रहा है कि डीजल 12 प्रतिशत और टोल-बीमा महंगा होने से किराया बढ़ाना पड़ा। इधर संचालकों से चर्चा में अधिकांश तो इसे सही मान रहे हैं पर कुछ ने धीरे से ही सही यह माना कि हमारी लागत 15-18 फीसदी बढ़ी है। कुछ समय से हमें इसमें घाटा हो रहा था। 25 फीसदी से ज्यादा बढ़ाने की जरूरत नहीं थी। 37 फीसदी किराया वृद्धि से सीधे यात्रियों की जेब पर असर होगा। एक संचालक ने उदाहरण देते हुए कहा कि इंदौर का किराया 75 रूपए था उसे वह एक सौ रूपए तक वृद्धि ठीक थी लेकिन अब सीधे 110 रूपए की किराया वसूली की जा रही है वो भी यह कहकर की वृद्धि के मान से 116 रूपए होते हैं पर 110 लिए जा रहे हैं। यात्रियों का कहना है कि नियमों में सुविधा का जिक्र है, लेकिन धरातल पर कुछ नहीं बदला।

नियम का पालन नहीं

बसों में न तो चालक और न ही परिचालक वर्दी पहन रहे हैं। ऐसे में किसी दुर्घटना की स्थिति में ये सिरे से गायब हो जाते हैं। यही नहीं बसों में सीसी टीवी बंद हैं। यात्री के लिए सीटों पर लगे अलार्म स्वीच बंद हैं। बसों में सीटों की स्थिति भी आरामदायक नहीं कही जा सकती है। बस में यात्री पासिंग की स्थिति अलग है और सीट के मान से यात्री संख्या अलग बयां हो रही है। यात्री किराया सूची का डिस्प्ले नहीं किया जा रहा है। अब भी इंदौर-उज्जैन की बसों में यात्रियों को खडा कर लाने-ले जाने की स्थिति कायम है जिसे ओव्हर लोड कहा जाता है।

ये किया जा सकता था

वर्षों से अप-डाउन कर रहे यात्रियों का कहना है कि इस किराया वृद्धि का असर कभी कभार यात्रा करने वालों को इतना नहीं होगा जितना अप-डाउन वालों को होगा। अब उनसे सीधे एक सौ रूपए इंदौर के लिए जा रहे हैं। ऐसे में मासिक रूप से यह खर्च 5 हजार पर जा पहुंचा है जो पूर्व में तीन हजार 500 के लगभग था। परिवहन के जानकारों का कहना है कि किराया उचित और युक्तियुक्त तय होना चाहिए। किराया चरणबद्ध वृद्धि किया जाना था। सीधे 37 फीसदी की जगह दो बार में बढ़ाते, इसे यात्री सुविधाओं से जोड़ते जिसमें नई बसें, सहित अन्य यात्री सुविधाओं को भी प्राथमिकता देना चाहिए था। इससे संचालकों में सुविधाओं को लेकर रूझान की स्थिति बनती। अभी तो जो है जैसा है वैसे में ही किराया बढ़ने पर यात्रियों की सुविधा धरातल पर गौंण दिखाई दे रही है।

महाराजा महाविद्यालय में वृक्षारोपण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

हरियाली अमावस्या के अवसर पर स्थानीय महाराजा महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास पूर्वक किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि और संस्था के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार लड्डा ने कहा कि वृक्ष हमारे मित्र होते हैं जो पर्यावरण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। वृक्ष के बिना हम जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते इसलिए वृक्षारोपण को अपने जीवन का मुख्य ध्येय बनाना चाहिए। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार लड्डा के साथ संस्था के सदस्य अखिलेश कुमार शर्मा ने शासकीय अभियान के दिशानिर्देशानुसार एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत वृक्षारोपण किया।

कला संस्कृति कार्निवल का आयोजन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

महाकाल की नगरी उज्जैन के महाकाल परिसर, कोयला फाटक में 3 दिवसीय कला संस्कृति कार्निवल 13, 14, 15 अगस्त का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की धर्मपत्नी सीमा यादव थीं। उनके कर-कमलों से कार्निवल का उद्घाटन किया गया।

विशेष अतिथि अंजना शुक्ला, संध्या सोलंकी, सीमा भानुप्रिया, संतोष सोडाणी, निधि तिवारी और उषा पवार मुख्य रूप से उपस्थित थी। कार्यक्रम के संयोजक तृप्ति परवाल राजकुमारी माहेश्वरी एवं पिंकी जैन ने सभी का धन्यवाद दिया एवं आभार माना। सहयोगी नीना जैन और प्रिया घरिया, ज्योति बेवाल की सहभागिता रही।

बेलगाम दौड़ रहे अवैध वॉटर सप्लाई वाहन, जिम्मेदार मौन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शहर की विभिन्न कॉलोनियों में पानी की सप्लाई करने वाले वाहन इन दिनों यातायात और सुरक्षा के लिए चिंता का कारण बने हुए हैं। आरोप है कि कई वाहन बिना नंबर के तेज गति से दौड़ रहे हैं और इनमें से कुछ को नाबालिग चालक भी चला रहे हैं।

स्थानीय रहवासियों का कहना है कि कॉलोनियों की संकरी सड़कों पर तेज रफ्तार से दौड़ते इन वाहनों के कारण कभी भी गंभीर दुर्घटना हो सकती है। यदि बिना नंबर वाला वाहन किसी दुर्घटना के बाद मौके से भाग जाए तो उसकी पहचान और तलाश करना भी पुलिस के लिए चुनौती बन सकती है।

वहीं सवाल यह भी उठ रहा है कि इन वाहनों के संचालकों के पास जल परिवहन अथवा पानी सप्लाई से संबंधित आवश्यक अनुमति और दस्तावेज हैं या नहीं। रहवासियों का कहना है कि संबंधित विभाग यदि इन वाहनों की जांच करे तो कई अनियमितताएं सामने आ सकती हैं।

रहवासियों का कहना है कि नाबालिगों से वाहन चलवाना, बिना नंबर के वाहन दौड़ाना और तेज रफ्तार में पानी की सप्लाई करना गंभीर सुरक्षा चिंता है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की ओर से प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है।

लोगों ने यातायात पुलिस और संबंधित विभाग से बिना नंबर वाले वाहनों, चालकों की उम्र, वाहन दस्तावेज और पानी सप्लाई से संबंधित अनुमति की जांच कराने की मांग की है, ताकि किसी दुर्घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय समय रहते हादसे को रोका जा सके।

सरदारपुरा में शासकीय भूमि से हटाया अवैध निर्माण

शिकायत के बाद जांच में निर्माण मिला अनधिकृत, जेसीबी से हटाया अतिक्रमण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

नगर निगम द्वारा शहर में अवैध निर्माण और अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जोन क्रमांक 03 के अंतर्गत कमल टॉकीज के पीछे स्थित सरदारपुरा क्षेत्र में नगर निगम की टीम ने अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई की।

नगर निगम को प्राप्त शिकायत के आधार पर मौके पर जांच की गई। जांच के दौरान पाया गया कि संबंधित व्यक्ति मुन्नालाल बाथम द्वारा मकान निर्माण के दौरान बिना अनुमति निर्माण किया गया था। जांच में यह भी सामने आया कि शासकीय भूमि तथा मार्ग से जुड़ने वाली गली के हिस्से में अनधिकृत निर्माण किया गया था।

निर्माण को अवैध पाए जाने के बाद नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देश पर जोन क्रमांक 03 की भवन निरीक्षक सौम्या चतुर्वेदी नगर निगम के रिमूवल गैंग और जेसीबी मशीन के साथ मौके पर पहुंचीं। टीम ने कार्रवाई करते हुए संबंधित अवैध निर्माण को हटाया और मार्ग को आवागमन के लिए सुगम बनाया।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार सार्वजनिक मार्ग, शासकीय भूमि तथा नागरिकों के आवागमन में बाधा उत्पन्न करने वाले अवैध निर्माण और अतिक्रमण के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। निगम का उद्देश्य सार्वजनिक मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखते हुए नागरिकों के आवागमन को सुगम एवं व्यवस्थित बनाए रखना है।

महाकाल की सवारी से पहले कमरी मार्ग तैयार

कंठाल चौराहा अब भी अधूरा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

महाकाल की पहली सवारी से पहले नगर निगम ने कमरी मार्ग चौराहे का निर्माण कार्य महज आठ दिनों में पूरा कर लिया है। वहीं शहर के महत्वपूर्ण कंठाल चौराहे का काम डेढ़ माह बीतने के बाद भी अधूरा है। चौड़ीकरण और मंदिरों के स्थानांतरण की प्रक्रिया में देरी के चलते मुख्य निर्माण कार्य की गति धीमी बनी हुई है।

कंठाल चौराहा शहर के प्रमुख मार्गों में शामिल है और यहां से महाकाल मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग पर सवारी के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही रहती है।

ऐसे में आगामी 7 सितंबर को प्रस्तावित महाकाल की राजसी सवारी से पहले चौराहे का निर्माण पूरा करना नगर निगम और प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। कमरी मार्ग चौराहे का कार्य कम समय में पूरा होने के बाद अब लोगों की नजर कंठाल चौराहे पर है। रहवासियों और व्यापारियों का कहना है कि निर्माण कार्य जल्द पूरा होने से यातायात व्यवस्था में सुधार होगा और सवारी के दौरान भीड़ प्रबंधन में भी आसानी होगी। अब देखना होगा कि प्रशासन कंठाल चौराहे का शेष कार्य समय सीमा में पूरा कर पाता है या नहीं।

पार्श्वनाथ सिटी में बिजली संकट से रहवासी परेशान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

पार्श्वनाथ सिटी के रहवासी लंबे समय से बिजली, सड़क और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं को लेकर परेशान हैं। सबसे गंभीर समस्या बिजली व्यवस्था को लेकर सामने आ रही है। रहवासियों का कहना है कि बार-बार बिजली गुल होने से उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। रहवासियों के अनुसार बिजली समस्या को लेकर मप्र विद्युत वितरण कंपनी सहित संबंधित विभागों से कई बार शिकायत की जा चुकी है। मामले को लेकर न्यायालय तक भी मामला पहुंच चुका है, बावजूद इसके समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है।

कोर्ट नाराज, 7 दिन में भरने के दिए निर्देश

बायपास पर 18 फीट तक के गड्ढे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इन्दौर में जस्टिस सुबोध अभ्यंकर और जस्टिस आलोक अवस्थी की कोर्ट ने इंदौर-देवास बायपास की बदहाली को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई दौरान बायपास पर हुए गड्ढ़ों को जानलेवा मानते मौखिक टिप्पणी की कि ये गडडे इतने बड़े है कि किसी भी वाहन चालक की जान तक जा सकती है।

कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से 2023 से अब तक किया क्या है यह सवाल पूछते सात दिन में बायपास के सभी गड्?ढों को भरने के मौखिक निर्देश दिए। हाईकोर्ट में संस्था मातृ फाउंडेशन की ओर से एड्वोकेट अमेय बजाज ने बायपास की बदहाली को लेकर सन् 2021 में यह जनहित याचिका दायर की थी। सुनवाई दौरान एनएचएआइ के वकीलों ने कोर्ट को बताया कि हमने ठेकेदार कंपनी को हटा दिया है।

अब इस याचिका कीआवश्यकता नहीं है। इस पर याचिकाकर्ता ने आपत्ति ले कहा कि हमने 10 बिंदुओं पर याचिका दायर की है। इसमें ठेकेदार ही को मुख्य रूप से रखा है।

एनएचएआइ के वकीलों ने कहा कि बायपास की दशा सुधारने का काम भी जारी है। जिसके बाद याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट के समक्ष 10 जुलाई के फोटो पेश कर बायपास पर गड्ढे बताए गए। नायता मुंडला के पास लगभग 18 फीट का गड्ढ़ा है और इस पर घास उगने लगी है, जिससे यह और ज्यादा खतरनाक होता जा रहा है।

फोटो देखकर कोर्ट ने इन्हे जानलेवा बताते हुए नाराजगी जाहिर करते कहा कि 2023 में कोर्ट ने अंतरिम आदेश जारी किया था, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट भी आदेश दे चुका है, लेकिन कोई काम नहीं हो रहा है। एनएचएआइ बताए कि 2023 के बाद क्या काम किए है। कोर्ट का समय खत्म हो रहा था, इसलिए कोर्ट से बायपास की हालत सुधरने तक टोल टैक्स खत्म करने की मांग रखी गई। इस पर कोर्ट ने अगली सुनवाई पर इसे सुनने और 7 दिन में गड्ढे खत्म करने के निर्देश दिए।

वन स्टॉप सेंटर को मिला दो मंजिला विस्तार- संकटग्रस्त और हिंसा पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे चिकित्सा, कानूनी, मनोवैज्ञानिक, पुलिस सहायता एवं अस्थायी आश्रय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले इंदौर के वन स्टॉप सेंटर में अब सुविधाओं का विस्तार किया गया है। इंफोसिस फाउंडेशन के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व मद से छावनी स्थित वन स्टॉप सेंटर के अतिरिक्त भवन का निर्माण कराया गया है। इसका उद्घाटन गुरुवार को महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रजनीश सिन्हा एवं इंफोसिस के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में किया गया।

12 साल बाद कॉलेजों में लौटेगी छात्र राजनीति की गूंज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मध्यप्रदेश में करीब 12 साल बाद छात्रसंघ चुनाव की आहट से विश्वविद्यालयों और कॉलेज परिसरों में सियासी हलचल तेज होने लगी है। जबलपुर हाईकोर्ट के आदेश के बाद चुनाव का रास्ता साफ होने के बावजूद विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को अब तक शासन के औपचारिक निर्देश का इंतजार है। चुनाव की तारीख, प्रक्रिया, मतदान प्रणाली और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर तस्वीर साफ नहीं है। इसके बावजूद छात्र संगठनों ने संभावित चुनाव को देखते हुए तैयारियां शुरू कर दी हैं। माना जा रहा है कि सितंबर में सरकारी और निजी कॉलेजों में छात्रसंघ चुनाव कराए,तो वर्ष 2016-17 के जा सकते हैं। चुनाव हुए बाद पहली बार कॉलेज माहौल नजर आएगा।

परिसरों में फिर चुनावी मध्यप्रदेश में छात्रसंघ चुनाव का लंबा इतिहास रहा है। वर्ष 1987 में आखिरी बार पूर्ण प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव हुए थे। 1988 में हिंसा, तोडफोड़ और विवादों के बाद प्रत्यक्ष चुनावों पर रोक लगा दी गई। इसके बाद 1988 से 2003 तक अप्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव हुए, जिसमें कक्षा प्रतिनिधि छात्रसंघ पदाधिकारियों का चुनाव करते थे। उज्जैन के एक कॉलेज में 26 अगस्त 2006 को हुए विवाद और प्रो. डॉ. एचएस सबरवाल की मौत के बाद छात्रसंघ चुनाव पूरी तरह रोक दिए गए। वर्ष 2011 में अप्रत्यक्ष चुनाव दोबारा शुरू हुए। 2012-13 में प्रत्यक्ष चुनाव हुए। इसके बाद 2017 में अप्रत्यक्ष चुनाव हुए।

आदेश का इंतजार, तैयारियां शुरू

हाईकोर्ट के आदेश के बाद छात्रसंघ चुनाव को लेकर उम्मीद बढ़ी है, लेकिन प्रदेश सरकार की ओर से अभी आदेश के इंतजार में विश्वविद्यालय; एबीवीपी-एनएसयूआई अभियान ने तेज किया। कॉलेजों को औपचारिक निर्देश जारी नहीं हुए हैं। इसी कारण संस्थान शासन के आदेश की प्रतीक्षा कर रहे हैं। चुनाव की तारीख और प्रक्रिया तय नहीं होने के बावजूद छात्र संगठन विद्यार्थियों के बीच पहचान लगे हैं। शैक्षणिक सत्र 2026 27 में प्रवेश लेने वाले नए विद्यार्थियों को अपने साथ जोडने के लिए सदस्यता अभियान चलाए जा रहे हैं। इस बार मुकाबला संपर्क केवल एबीवीपी और एनएसयूआई के बीच सीमित रहने की संभावना नहीं है। करणी सेना और जयस की छात्र विंग भी चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रही हैं।

एक चिट्ठी धरती माँ के नाम पत्र लेखन प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

भारतीय डाक विभाग द्वारा अखिल भारतीय ढाई आखर पत्र लेखन अभियान वर्ष 2026-27 के अंतर्गत पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष प्रतियोगिता का विषय क चिट्ठी धरती माँ के नामः प्रकृति की रक्षा मेरा वादा निर्धारित किया गया है। प्रतियोगिता में सभी आयु वर्ग के नागरिक भाग ले सकेंगे। प्रतिभागियों को 18 वर्ष तक तथा 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में विभाजित किया गया है। दोनों आयु वर्गों में अंतर्देशीय पत्र तथा लिफाफा की दो उप श्रेणियां रखी गई हैं। अंतर्देशीय पत्र अधिकतम 500 शब्दों तथा लिफाफे में लिखे जाने वाले पत्र की अधिकतम सीमा 1000 शब्द निर्धारित की गई है।

स्वतंत्रता दिवस पर ईमानदारी से देश सेवा का लेवे संकल्प

15 अगस्त 1947 का दिन भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से लिखा गया है। इसी दिन भारत ने लगभग 200 साल की गुलामी के बाद ब्रिटिश शासन से मुक्ति पाई और भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र बना। आजादी की यह तारीख इस देश को दिलाने के लिए देशवासियों ने बड़ी मेहनत के साथ अपनी कुबार्नी देकर हमें स्वतंत्रता दिलवाई इस दिन को हम उन शहीदों को याद करके और स्वतंत्रता को बरकरार रखने के लिए संकल्प लेकर इस स्वतंत्रता दिवस को मनाये।

इस दिन की सुबह दिल्ली के लाल किले पर प्रधानमंत्री द्वारा तिरंगा फहराया जाता है। 21 तोपों की सलामी, राष्ट्रगान और रंग-बिरंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम पूरे देश में देशभक्ति का माहौल बना देते हैं। स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी कार्यालयों में भी झंडा फहराया जाता है और बच्चों द्वारा देशभक्ति गीत, नाटक और भाषण प्रस्तुत किए जाते हैं। तिरंगे के तीन रंग – केसरिया, सफेद और हरा – हमें त्याग, शांति और समृद्धि का संदेश देते हैं। बीच में बना अशोक चक्र हमें निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। स्वतंत्रता हमें आसानी से नहीं मिली। महात्मा गांधी, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, रानी लक्ष्मीबाई, चंद्रशेखर आजाद जैसे हजारों क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन बलिदान कर दिया। उनके संघर्ष और त्याग के कारण ही आज हम आजाद हवा में सांस ले रहे हैं।

लेकिन स्वतंत्रता का मतलब सिर्फ जश्न मनाना नहीं है। इसका असली अर्थ है जिम्मेदारी। आजादी के 78 साल बाद भारत हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है – विज्ञान, खेल, तकनीक, रक्षा और अर्थव्यवस्था में। फिर भी हमारे सामने गरीबी, अशिक्षा, भ्रष्टाचार और पर्यावरण जैसी चुनौतियां हैं। एक सच्चा नागरिक वही है जो अपने कर्तव्यों को निभाए, देश की एकता बनाए रखे और देश को आगे ले जाने में योगदान दे। पेड़ लगाना, स्वच्छता रखना, मेहनत से पढ़ना और ईमानदारी से काम करना भी देश सेवा ही है।

आइए इस स्वतंत्रता दिवस पर हम शहीदों को याद करें और संकल्प लें कि हम अपने शहर के साथ देश को और मजबूत, स्वच्छ और आत्मनिर्भर बनाएंगे। इसके लिए हम स्वयं प्रयास करेंगे एवं इसके लिए लोगों को प्रेरित भी करेंगे यह संकल्प लेकर हम आजादी कि यह सालगिरह सही मायोनो में बना सकेंगे।

सम्पादकीय

संसद सत्र से निराशा

भारतीय संसद के 25 दिवसीय मानसून सत्र का तीखी बहस और निराशा के साथ समापन हो गया। संसद में जो हुआ है, उसकी चर्चा देश में हो रही है और जरूर होनी चाहिए। बड़े अफसोस की बात है, मानसून सत्र के दौरान लगभग हर दिन ही कार्यवाही बाधित हुई। लोकसभा में तो एक भी दिन प्रश्नकाल पूरा नहीं हो पाया। प्रश्नकाल का न होना, सबसे त्रासद है। लोकसभा की उत्पादकता जहां बमुश्किल 19 प्रतिशत, तो राज्यसभा की उत्पादकता 39 प्रतिशत रही है। लोकसभा में केवल 28 जुलाई को ठीक-ठाक काम हुआ है, इसके अलावा बाकी दिन जो भी हुआ, उसकी केवल निंदा ही हो सकती है। राज्यसभा में अपेक्षाकृत कुछ ठीक स्थिति रही। वहां 30 जुलाई सहित कुल चार दिन ठीक काम हुआ है। सबसे बड़ी चिंता हंगामे की है, लेकिन ज्यादातर राजनीतिक दलों में इसकी कोई चिंता नहीं है। लोकतंत्र में यह अलोकतांत्रिक परिपाटी बनती जा रही है। हंगामा जब होता है, तब उसके पीछे सिर्फ राजनीति होती है। संसद के कामकाज में बाधा डालने से देश को फायदा होता है या नुकसान, यह बताने की जरूरत नहीं है। हंगामे की भी सीमा होती है, पर इस सीमा का इस बार खुलकर उल्लंघन हुआ है।

कुछ और भी चिंताजनक घटनाएं हुई हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने सत्र के समापन की घोषणा करते हुए पारंपरिक समापन भाषण नहीं दिया है। ध्यान रहे, इस भाषण में सत्र की उत्पादकता पर प्रकाश डाला जाता है। इसके अलावा, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष के साथ होने वाली चाय पार्टी का भी बहिष्कार किया है। यह इस बात का प्रमाण है कि संसद में काम करने की इच्छा भी प्रभावित हुई है और नेताओं के बीच परस्पर कटुता में भी इजाफा हुआ है। साल 2026 के इस मानसून सत्र को चार खास मुद्दों के लिए याद किया जाएगा। नीट-यूजी पेपर लीक, जंतर मंतर छात्र आंदोलन, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा और राम मंदिर में दान चोरी। जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई पर विपक्ष एकजुट होकर केंद्रीय गृह मंत्री से जवाब मांग रहा था और सत्र के आखिरी दिनों में वह जवाब देने को तैयार हुए, तब विपक्ष ने उनका भाषण सुनने से इनकार कर दिया।

हर घर तिरंगा अभियान

तिरंगा हर घर तक पहुँचे, वंदे मातरम हर हृदय में गूँजे

राष्ट्रीय ध्वज किसी राष्ट्र की पहचान भर नहीं होता, वह उसकी सामूहिक चेतना, इतिहास और स्वाभिमान का प्रतीक होता है। भारत का तिरंगा भी हमारे लिए केवल तीन रंगों और अशोक चक्र से निर्मित ध्वज नहीं, बल्कि स्वतंत्रता के संघर्ष, असंख्य बलिदानों और एक बेहतर राष्ट्र के सपने का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से हर घर तिरंगा अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागी बनने का आह्वान किया है। इस वर्ष इस अभियान का महत्व इसलिए और बढ़ जाता है कि यह वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर से भी जुड़ा है। दरअसल, तिरंगा फहराने का अवसर केवल उत्सव का अवसर नहीं है। यह आत्ममंथन का भी समय है कि जिस स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमें गर्व है, उसके प्रति हमारी जिम्मेदारियाँ क्या हैं। तिरंगा हमें अधिकारों के साथ कर्तव्यों की भी याद दिलाता है।

संदीप सृजन
(दैनिक अवन्तिका)

हर घर तिरंगा अभियान ने राष्ट्रीय ध्वज को सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक समारोहों की सीमाओं से निकालकर आम नागरिक के घर तक पहुँचाया है। आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान इसकी व्यापक जनभागीदारी ने यह सिद्ध किया कि राष्ट्रभावना भारतीय समाज की गहरी संवेदना है। घरों की छतों पर लहराते तिरंगे, सड़कों पर निकलती तिरंगा यात्राएँ, विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रम और युवाओं की सक्रिय भागीदारी–इन सबने राष्ट्रीय पर्वों को एक व्यापक जनउत्सव का रूप दिया। लेकिन किसी अभियान की सफलता केवल उसकी दृश्य भव्यता से नहीं आँकी जानी चाहिए। सवाल यह है कि तिरंगा उतर जाने के बाद उसकी भावना हमारे भीतर कितनी देर तक रहती है? यदि तिरंगा लगाने के बाद हम सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाते हैं, नियमों की अनदेखी करते हैं, भ्रष्टाचार को स्वीकार करते हैं या अपने सामाजिक दायित्वों से मुँह मोड़ लेते हैं, तो राष्ट्रप्रेम अधूरा रह जाता है। तिरंगे का वास्तविक सम्मान हमारे व्यवहार में दिखाई देना चाहिए। विद्यार्थी ईमानदारी से पढ़े, युवा अपने कौशल का विकास करे, किसान मेहनत से उत्पादन बढ़ाए, व्यापारी नैतिकता से व्यवसाय करे, कर्मचारी अपने दायित्व का निर्वहन ईमानदारी से करे और नागरिक कानून का सम्मान करे-यही राष्ट्रध्वज के प्रति सच्ची श्रद्धा है। इसी संदर्भ में हर घर तिरंगा को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ना अत्यंत महत्वपूर्ण है। विकसित भारत का अर्थ केवल आर्थिक रूप से शक्तिशाली भारत नहीं है। विकास का वास्तविक अर्थ तब है, जब शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर हो, स्वास्थ्य सुविधाएँ हर व्यक्ति तक पहुँचें, युवाओं को रोजगार और कौशल के अवसर मिलें, किसान सशक्त हों, महिलाएँ सुरक्षित और आत्मनिर्भर हों तथा पर्यावरण संरक्षण विकास की प्राथमिकताओं में शामिल हो।

भारत ने पिछले वर्षों में अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। डिजिटल तकनीक से लेकर अंतरिक्ष अनुसंधान तक और खेलों से लेकर आधारभूत संरचना तक देश ने अपनी क्षमता का परिचय दिया है। लेकिन विकास की यात्रा अभी अधूरी है। गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामाजिक असमानता जैसी चुनौतियाँ हमारे सामने हैं। इनका समाधान केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकता। लोकतंत्र में राष्ट्र निर्माण सरकार और नागरिक–दोनों की साझी जिम्मेदारी है। इसीलिए तिरंगा फहराते समय प्रत्येक नागरिक को अपने स्तर पर एक संकल्प भी लेना चाहिए। कोई विद्यार्थी बेहतर शिक्षा का संकल्प ले, कोई युवा रोजगार पाने के साथ दूसरों के लिए रोजगार पैदा करने की दिशा में सोचे, कोई व्यापारी ईमानदार व्यापार का संकल्प ले और कोई नागरिक स्वच्छता तथा पर्यावरण संरक्षण को अपने जीवन का हिस्सा बनाए। ऐसे करोड़ों छोटे संकल्प ही बड़े राष्ट्रीय परिवर्तन की नींव बनते हैं।

इस वर्ष हर घर तिरंगा का वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने से जुड़ना भी ऐतिहासिक अवसर है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम् स्वतंत्रता-संग्राम के दौरान राष्ट्रजागरण का शक्तिशाली स्वर बना। यह गीत उस दौर के संघर्ष, त्याग और मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा। आज स्वतंत्र भारत में इसकी स्मृति हमें यह प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करती है कि क्या हम अपने देश को वैसा बनाने के लिए पर्याप्त प्रयास कर रहे हैं, जैसा स्वतंत्रता सेनानियों ने स्वप्न देखा था। वंदे मातरम् की भावना केवल अतीत की स्मृति में नहीं, वर्तमान की जिम्मेदारी में भी निहित है। भारतभूमि को सुजलाम् सुफलाम बनाए रखना केवल गीत की पंक्तियों को दोहराने से संभव नहीं होगा। इसके लिए जल संरक्षण, पर्यावरण रक्षा, कृषि की मजबूती और प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की आवश्यकता होगी। राष्ट्रगीत की भावना को जीवन में उतारना ही उसकी वास्तविक वंदना है।

इस अभियान में युवा वर्ग की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के जरिए वे राष्ट्रभावना का संदेश व्यापक स्तर पर पहुँचा सकते हैं। विद्यालय और महाविद्यालय तिरंगा यात्राओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, चित्रकला, निबंध प्रतियोगिताओं और सामूहिक गायन के माध्यम से नई पीढ़ी को इतिहास और राष्ट्रीय मूल्यों से जोड़ सकते हैं। परंतु युवाओं को यह समझना होगा कि देशभक्ति केवल सोशल मीडिया पर तिरंगे की तस्वीर लगाने तक सीमित नहीं है। अपने काम में उत्कृष्टता, कानून का सम्मान, भ्रष्टाचार का विरोध और समाज के कमजोर वर्ग के प्रति संवेदनशीलता भी देशभक्ति है। परिवार और समाज की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। बच्चे तिरंगे का अर्थ केवल किताब से नहीं, परिवार के व्यवहार से सीखते हैं। बुजुर्ग स्वतंत्रता-संग्राम की कहानियाँ सुनाएँ, माता-पिता राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करें और समाज सामूहिक आयोजनों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को मजबूत करे–तो राष्ट्रभावना पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ सकती है।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में निहित एकता है। भाषा, धर्म, जाति, क्षेत्र और संस्कृति की विविधताओं के बावजूद तिरंगा हम सबकी साझा पहचान है। वह हमें याद दिलाता है कि मतभेद हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्र एक है। इसलिए तिरंगे को राजनीतिक या सामाजिक विभाजन से ऊपर उठाकर राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बनाए रखना आवश्यक है। साथ ही, तिरंगे के प्रति सम्मान का अर्थ उसके साथ गरिमापूर्ण व्यवहार करना भी है। ध्वज संहिता के नियमों का पालन, ध्वज की स्वच्छता और उचित सम्मान प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। अभियान की सफलता तभी होगी जब उत्सव के साथ अनुशासन भी जुड़ा हो।

आजादी मिली थी, गुलामी हमने खुद चुन

कमाल की आजादी है हमारी! अंग्रेजों को भगाने के बाद हमने गुलामी के इतने नए दरवाजे खोल लिए कि अब किसी विदेशी हुकूमत को मेहनत करने की जरूरत ही नहीं। 15 अगस्त को ध्वजारोहण होगा। राष्ट्रगान बजेगा। भाषणों में शहीदों का जिक्र होगा। तालियाँ पड़ेंगी। तस्वीरें खिंचेंगी। और फिर हम उसी दिन वापस अपनी-अपनी गुलामियों की ड्यूटी पर लौट जाएँगे। कोई मोबाइल का गुलाम है, कोई सोशल मीडिया का; किसी की खुशी लाइक से, तो किसी की हैसियत फॉलोअर से तय होती है। कोई ट्रेंड के पीछे भागता है, कोई भीड़ के साथ, क्योंकि अपनी राय बनाने से आसान है दूसरों की नकल करना। कोई बाजार का गुलाम है–जरूरत हो या न हो, विज्ञापन कहेगा तो खरीदेंगे। कोई ब्रांड का, कोई दिखावे का, कोई किस्त और कर्ज का। जेब खाली हो सकती है, खरीदारी नहीं; घर छोटा हो सकता है, ईएमआई बड़ी होनी चाहिए।

कोई नौकरी और पद का गुलाम है, कोई पैसे का कोई समाज क्या कहेगा का, तो कोई रिश्तेदारों की राय का। बच्चे अंकों के गुलाम हैं, युवा प्रतियोगिता और नौकरी की दौड़ के, और बड़े-बुजुर्ग अपनों के समय को तरस रहे हैं। लेकिन सबसे खतरनाक गुलामी जाति, धर्म और राजनीति की है। हम इतने आजाद हैं कि अपने नेता की गलती को भी सही साबित करने में पूरी ताकत लगा देते हैं। सवाल पूछना देशद्रोह लगता है और आंख बंद कर-के समर्थन करना देशभक्ति।

अंग्रेजों की गुलामी में बेड़ियाँ हाथों में थीं, इसलिए गुलामी साफ दिखाई देती थी। हमारी गुलामी का अंदाज देखिए–जंजीरें भी अपनी, ताले भी अपने और चाबी भी अपनी फिर भी हम इसे पसंद, सुविधा और आजादी कहकर गर्व से ढो रहे हैं। इस 15 अगस्त ध्वजारोहण कीजिए, तिरंगे को सलाम कीजिए, मगर एक सवाल खुद से भी कीजिए–अंग्रेज 1947 में चले गए, अब हमारी चुनी हुई गुलामियाँ कब जाएँगी?

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 15 अगस्त 2026 शनिवार
सूर्योदय - 06:07 सूर्यास्त 18:55
श्रावण मास शुक्ल पक्ष
राहुकाल - 09:00 से 10:30 तक
तिथि - तृतीया 17:29 उपरांत चतुर्थी
नक्षत्र - उत्तराफाल्गुनी 03:25 उपरांत हस्त
योग - शिव 07:09 उपरांत सिद्ध 05:21 उपरांत साध्य
करण - गर
चन्द्रमा - सिंह में है। 09:34 पर कन्या में प्रवेश करेगा।
मुस्लिम मास-रवि उलावल मास 01 तारिख

मेष- आज कार्यक्षेत्र में योजनाएं सफल होंगी। कारोबारी हैं तो आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

वृषभ- प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा। दिनभर स्फूर्ति बनी रहेगी।

मिथुन- नौकरी-पेशा हैं तो पराक्रम से सभी बाधाएं दूर होंगी। व्यावसायिक सौदों के दौरान संयम रखें।

कर्क- रिश्तों में संवादहीनता न आने दें। शॉपिंग में अत्यधिक खर्च से बचें। एलर्जी की समस्या हो सकती है।

सिंह- नेतृत्व क्षमता का विकास होगा और काम का दबाव बढ़ेगा।

कन्या- आय के नए स्त्रोत सामने आ सकते हैं। आंखों में जलन, थकान या सिरदर्द हो सकता है।

तुला- कार्यस्थल पर भाग्य का साथ मिलेगा। इच्छाओं की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य बेहतरीन रहेगा।

वृश्चिक- साझेदारी के व्यापार में अच्छा मुनाफा होगा। रोमांटिक लाइफ बहुत शानदार रहेगी।

धनु- कार्यस्थल पर किस्मत का भरपूर सहारा मिलेगा। बाहर के खाने-पीने में एहतियात बरतें।

मकर- कारोबारी, पढ़ाई और ट्रेनिंग से जुड़े लोगों के लिए अच्छा समय है। कार्यस्थल पर आपके काम की सराहना होगी।

कुंभ- पार्टनर के साथ धार्मिक गतिविधियों में समय बीतेगा। धन का प्रवाह अच्छा रहेगा।

मीन- कारोबारी हैं तो प्रतिस्पर्धियों की योजनाएं असफल होंगी। पार्टनर के साथ अच्छा समय बीतेगा।

कविता

जय हो भारत माता की

मन में भारत भूमि हो, मुख में पवन गंगा हो, जब मैं मरूं तो मेरे तन पर, लिपटा हुआ तिरंगा हो।
जन्म लिया है इस पर मैंने,मेरे जन्मदाता की, मेरी जीवन यात्रा में, जय हो भारत माता की।
जय हो जय हो जय हो जय हो भारत माता की।
जहां-जहां भी जाऊं महिमा भारत वर्ष की गाऊँ।
भारत मां की सौरभ सारी दुनिया में फैलाऊं।
वैभवशाली गौरवशाली भारत भाग्य विधाता की।
मेरी जीवन यात्रा में, जय हो भारत माता की।
आती-जाती सांसें मेरी, जय हिंद जय हिंद गाए।
देशभक्ति का जज्बा मन से दूर कभी न जाए।
सबको गोद में लेने वाली अपनी धरती माता की।
मेरी जीवन यात्रा में, जय हो भारत माता की।
अंतिम पलक मिला हूं जब मैं,
अंतिम गाथा गाऊँ जब मैं,
दिल का दीप बुझाऊं जब मैं,
मौत के मुंह में जाऊं जब मैं।
धुन गंजे मेरे मन में केवल, मुदमय मंगल दाटा की।
मेरी जीवन यात्रा में, जय हो भारत माता की।

सूरज उज्जैनी
(दैनिक अवन्तिका)

तिरंगा प्यारा-प्यारा

तिरंगा प्यारा-प्यारा है, भारत देश हमारा है।
केसरिया देता बलिदान, सफेद सिखाता शांति महान।
हरा रंग खुशहाली लाए, नीला चक्र आगे बढ़ाए।
पंद्रह अगस्त का दिन है न्यारा, आजादी का पर्व है प्यारा।
वीरों ने जो बलिदान दिया, हमने स्वतंत्र आसमान लिया।
मिल-जुलकर हम आगे बढ़ेंगे, भारत का सम्मान बढ़ाएँगे।
पढ़-लिखकर बनेंगे होशियार, देश बनाएँगे सुंदर-शानदार।
न ऊँच-नीच, न कोई भेद, सबके मन में प्रेम का मेल।
भारत माँ की जय-जयकार, तिरंगा रहे सदा ऊँचा-ऊँचा अपार!

स्वतंत्रता दिवस महान

आओ बच्चों, आज मनाएँ,
आजादी का पर्व महान।
फहराएँ हम प्यारा तिरंगा,
गूँजे भारत का जयगान।
वीरों ने सपने सँजोए थे,
भारत हो स्वतंत्र महान।
हँसते-हँसते देश के खातिर,
कर डाला अपना बलिदान।
केसरिया हमको सिखलाए,
साहस, त्याग और बलिदान।
श्वेत रंग कहता है सबसे,
रखना मन में सदा समान।
हरा रंग खुशहाली लाए,
धरती का बढ़ता सम्मान।
नीला चक्र हमें समझाए,
चलते रहना बनकर गतिमान।
नन्हे हाथों में किताबें हों,
आँखों में हों नए अरमान।
मेहनत, सच्चाई और एकता से,
हम ऊँचा करें हिंदुस्तान।

गोपाल कौशल
(दैनिक अवन्तिका)

स्वतंत्रता दिवस विशेष : तिरंगा और राष्ट्रगान

राष्ट्रीय पर्व पर झंडावंदन की गौरवशाली परंपरा को, आदर्श ध्वज संहिता 2002 लागू होने से नए आयाम मिले। तत्कालीन सांसद नवीन जिंदल के अभिनव प्रयास सफल रहे और इसके मायने देशहित में यह हुए की बच्चे, वृद्धजन, निशक्तजन, महिलाएं जो अनन्य कारणों से स्टेडियम अथवा शासन,प्रशासन द्वारा आयोजित किए जाने वाले झंडावंदन में शामिल नहीं हो पाते थे, वे स्वयं के निवास ,कार्यस्थल , छत पर नियमानुसार झंडावंदन करने हेतु स्वतंत्र हुए । जिस तरह की नियामवली है उसका परिपालन अवश्य होना चाहिए। सूर्योदय के बाद झंडावंदन बिगुल या वाद्ययंत्र के साथ होना,सूर्यास्त के पूर्व ससम्मान वापस उतारना, झंडा मेला ,कटा फटा ना हो और किसी भी रूप में झंडे का अपमान न हो , इन्हीं बातो का विशेष ध्यान रखना चाहिए । शासकीय कार्यालयों और सरकारी प्रतिष्ठान में झंडे को किसी अतिविशिष्ट व्यक्ति के अवसान और राष्ट्रीय ,राजकीय शोक की घोषणा में नियत दिवस के लिए आधे झुका दिए जाते है । झंडा रात में नहीं फहराना चाहिए ।

निर्लेश तिवारी
(दैनिक अवन्तिका)

तिरंगे के आकार तीनों रंगो की व्याख्या व तिलियो का विस्तृत विवरण अनेकों बार लिखा जा चुका है । आकार में 3:2 याने लंबाई 3 मीटर तो चौड़ाई 2 मीटर रहती है। सफेद फलक स्थान पर 24 तिलियो वाला नीला चक्र रहता है । सामान्यतः झंडा खादी का होना चाहिए ।अब तक भारत पाक की सीमा पर अटारी ,कर्नाटक के बेलगाम और उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में सबसे ऊंचे तिरंगे फहराए गए । विगत वर्षो में देश के चुनिंदा सौ शहरों के रेलवे स्टेशनों पर भी वृहद तिरंगे पूरे वर्ष भर सहज लहराते दिखाई पड़ते है। आदर्श ध्वज संहिता 2002 के पूर्व तिरंगे की अवमानना के अनेक मामले न्यायालय में लंबित है। उल्टा झंडा फहराने, रात में झण्डा नहीं उतारने और कटा , फटा झंडा फहराने पर ये मामले दर्ज हुए जिनमें पूर्व मंत्री,विधायक , उच्च अधिकारी भी शामिल है। प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा ही हुआ है जो झंडे पर भी लागू होता है ।

गौरतलब है की आदर्श ध्वज संहिता के परिपालन में स्व. आर सी तिवारी वरिष्ठ कृषि पत्रकार ,साहित्यकार व सह संचालक कृषि ने सर्वप्रथम अभियान से जुड़कर निवास की छत पर झंडावंदन की गौरवशाली परंपरा की शुरूआत की जो अब भी अविरत जारी है । बच्चे वाद्य यंत्र के साथ राष्ट्रगान में शामिल होकर सफाईकर्मी, आस पड़ोस में मिठाई वितरण करते है ।

तिरंगा देश की एकता ,अखंडता , खुशहाली व विकास का प्रतीक है ,हम सभी का गौरव है।

राष्ट्रगान का पुनरावलोकन

जनगणमन को देश का राष्ट्रगान घोषित किया गया और संविधान सभा ने इसी दिन भारत के पहले राष्ट्रपति को नामांकित किया । इससे पहले साहित्य की नोबेल पुरस्कार प्राप्त कृति गीतांजलि में कवि व साहित्यकार रबीन्द्रनाथ टैगोर ने आजादी के पूर्व इसे रचा व 27 दिसंबर 1911 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में पहली बार इसे गाया गया।

हमने अक्सर टेलीविजन पर अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता ,स्पर्धा समापन,पदक वितरण व क्रिकेट मैच के पूर्व राष्टगान को स्टेडियम में खिलाड़ियों के मुखारविंद से सुना है ।ये एक देशभक्ति का संदेश व उत्प्रेरक रूप में खिलाड़ियों में एक नई ऊर्जा का संचार करता है और वे देश के लिए जीतने का जज्बा लिए कटिबद्ध होकर खेलते है । राष्ट्रगान के लिए कोई संकोच या हिचक नहीं होना चाहिए ,भले ही आप सुर में ना हो,भावना होनी चाहिए । उदाहरण के रूप भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एम एस धोनी विराट कोहली हमेशा मैच के दौरान होने वाले राष्ट्रगान को जरूर गाते है, उल्लेखनीय है धोनी भारतीय प्रादेशिक सेना में पैराशूट रेजिमेंट से मानद रैंक लेफ्टिनेंट कर्नल है ।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6500 से 6600 विशाल 6300 से 6400 मसूर 6000 महाराष्ट्र सफेद 7700 से 7900 महाराष्ट्र लाल 8000 से 8200 कर्नाटक 8100 से - 8300 निमाड़ी तुअर 6500 से 7600 मूंग बेस्ट गर्मी 7200 से 7500 मूंग बेस्ट बोल्ड 7600 से 7800 मीडियम बोल्ड 7400 से 7600 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 9300 से 9500 उड़द गर्मी 8600 से 9300 ग्रेविटी क्लीन 9700 से 10000 हल्का उड़द 4000 से 6000 काबुली डॉलर 7500 से 8800 काबुली रशियन 6100 से 6200 बिटकी 5300 से 5400 सरसों निमाड़ी 8100 से 8300 रायडा 7100 से 7200 करंज 5000 से 5200 सोयाबीन 7000 टोली 5300 से 5400 अलसी 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2500 से 2550 लोकबन 2750 से 2800 पूर्णा 2550 से 2600 मालवराज 2600 से 2650 मक्का 1975 से 2000 चना दाल 7400 से 7500 मीडियम 7800 से 7900 बेस्ट 8000 से 8300 तुअर दाल 7300 से 7500 मीडियम 8400 से 8700 बेस्ट 9900 से 10100 एक्स्ट्रा बेस्ट -10900 से 11000 ब्रांडेड 12500 मूंग दाल 8900 से 9000 रुपए।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 13500 से 14000 देशी 10000 से 11000 एवरेज 8000 बारीक 4000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2462-2946, काबली- 5130-8211, बड़ा- 4570-5600, मसूर- 5801-7271, सरसो- 7050-7601, सोयाबीन 3536-7381, तुवर- 4250-4250, तिल्ली- 10491-11001, मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्र्ड- 1,50,300 रवा- 1,50,000 चांदी- टंच- 2,34,000 पाट- 2,33,500।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती 75 से 200, तिबार 68 से 130, पोनिया 55 से 85, टुकडी 32 से 65, शेला 36 से 38, परमल 35 से 44, तुवर दाल निमाडी 135 महाराष्ट्र 105 से 120, तुवर दाल 80 से 120, मूंगदाल 85 से 110, मोगर 95 से 120, उड़द मोगर 110 से 120, उडद दाल 95 से 100, मसूरदाल 75 से 78, चना दाल 72 से 80 ।

15 अगस्त पर विशेष

अलग और खास है इस बार का स्वतंत्रता दिवस

इस बार का स्वतंत्रता दिवस पिछले 78 स्वतंत्रता दिवसों से अलग और खास दिखाई दे रहा है। पिछले दो महीने में घटी घटनाओं ने देश के राजनीतिक हलकों में जो उथल-पुथल मचाई है वह कोई सामान्य नहीं है। सीधी सपाट राजनीति से अलग सत्ता की सीढ़िया से राजनीतिक पार्टियों को उतारने और स्वयं चढ़ने की रस्साकसी अपने चरम पर है। अचानक प्रसंगिक बना युवा वर्ग खुद अचंभित है कि वह हाल के दिनों में पक्ष और विपक्ष दोनों का सिरमौर कैसे बन गया। देश भर में जेन जी की चर्चा और जेन अल्फा के भविष्य की चिंता राजनीतिक पार्टियों के लिए खास हो गई। यूं तो भारत दुनिया का वह देश है जहां आज की स्थिति में युवाओं की जनसंख्या सर्वाधिक है लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि इस आबादी का एक बड़ा हिस्सा निरुत्साहित है। बेरोजगारी और भविष्य की चिंता से उसका वर्तमान कराह रहा है। एक सच्चाई यह भी है कि युवाओं का एक हिस्सा वह भी है जिसके योगदान से भारत ने कई उपलब्धियां अर्जित की हैं। आज क्या जमीन और क्या आसमान हर किसी क्षेत्र में युवा वर्ग ने परचम लहराया है। सुयोग्य युवा वर्ग ने स्टार्टअप योजनाओं को नए आयाम दिए हैं। यही नहीं डिजिटल क्षेत्र में उसकी उपलब्धियां ने भारत के गौरव को ऊंचाइयों पर पहुंचाने का काम किया है। स्वरोजगार की दिशा में प्रयत्नशील युवाओं ने अपने पैरों पर खड़ा होना सीखा है। आज का भारतीय उद्यमशील युवा सरकार की तरफ याचक बनकर नहीं देख रहा बल्कि अपने विजन से स्वयं और भारत की प्रगति में योगदान कर रहा है। हालांकि ऐसे युवाओं का प्रतिशत कम है किंतु यह दूसरे युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत तो है ही। यहां यह भी विशेष उल्लेखनीय है कि पिछले 12 सालों में मोदी सरकार ने युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर जनरेट किए हैं। सरकारी योजनाओं में रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं जिसका लाभ योग्य युवाओं को मिल रहा है। देश की जनसंख्या का 65 प्रतिशत हिस्सा युवाओं का है जो भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक तथा राजनीतिक दिशा को तय करता है। तब यह तबका देश की राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय न हो ऐसा संभव नहीं है। यह भी एक सच्चाई है कि सक्षम और कुशल युवा अपने मिशन में निरत रहकर देश के विकास में योगदान कर रहा है तो वहीं बेरोजगार और कुंठाग्रस्त युवा स्वार्थी राजनीतिक पार्टियों के आह्वान पर मोहरा बनकर जंतर मंतर पर अपने कंधे को इस्तेमाल करने के लिए विपक्ष को सौंप रहा है। पिछले महीने कॉकरोच जनता पार्टी के युवाओं का जंतर मंतर पर जमावड़ा उस कुंठा ग्रस्त मानसिकता वाले युवा वर्ग का प्रतिनिधित्व करता दिखा जिसका मकसद न तो बेरोजगारी पर सरकार को घेरना था और ना युवाओं के लिए अधिक सहूलियतें मांगना था। यह था तो केवल और केवल विपक्षी विपक्षी नेताओं और अंतरराष्ट्रीय साजिश कताओं के इशारे पर सत्ताधारी दल को अपदस्थ करने की असफल कोशिश का था। नीट परीक्षा में हुई अनियमितता और पेपर लीक तो बहाना था असली मकसद एक जन समर्थन से चुनी हुई सरकार को न केवल देश में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करना था।

डॉ. हरिकृष्ण बड़ोदिया

आज देश का विपक्ष पिछले 12 सालों से इसलिए परेशान है कि मोदी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न केवल देश के गौरव को बढ़ाया है बल्कि देश में अनेक योजनाओं के माध्यम से जनकल्याण के नए आयाम स्थापित किए हैं। देश की अधोसंरचना के विकास में नई ऊंचाइयों को छूने की कोशिश की है। पड़ोसी दुश्मन देश को उसकी कारगुजारियों के लिए सबक सिखाया है। अंतरिक्ष में अपनी उपलब्धियां से धाक जमाई है। युद्ध और सामरिक क्षेत्र में कल्पनातीत सफलता हासिल की है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों के उस कलंक को धो डाला है जिसमें कहा जाता था की सेना के पास रसद सामग्री भी नहीं है। वही सेना आज 36 राफेल जैसे लड़ाकू एयरक्राफ्टों से समृद्ध है। भारत ने डिजिटल क्षेत्र में न केवल विश्व का मार्गदर्शन किया बल्कि अपने कौशल से यूपीआई जैसी व्यवस्था से लेनदेन को आसान बनाया है। भ्रष्टाचार रोकने और सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी के डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से हितग्राहियों को बिचौलियों से मुक्त कराया है। आज भारत ब्रह्मोस जैसी दूर तक मार करने वाली मिसाइल का न केवल निमार्ता है बल्कि निर्यात करने वाला देश

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देशभक्ति के रंग में रंगी काव्य गोष्ठी हिंदी लेखिका संघ ने किया आयोजन

शुजालपुर। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी लेखिका संघ शुजालपुर के तत्वावधान में मेरा भारत महान विषय पर काव्य गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अनुविभागीय अधिकारी अंकिता पाटकर रहीं। जिला अध्यक्ष ग्रीष्मा शाह, जिला सचिव वीणा गोयल, अध्यक्ष संध्या धारीवाल, संरक्षक सदस्य शैलजा देशमुख एवं पूर्व अध्यक्ष राजकुमारी अग्रवाल मंचासीन रहीं। सरस्वती पूजन के बाद लेखिकाओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत कविताओं एवं गीतों की प्रस्तुतियां दीं। वंदना चौहान ने तिरंगे का कर्ज मधु मंडलोई ने मेरा देश है महान, पुष्पा शाह ने जहां डाल-डाल पर, मीना चौधरी ने भारत देश महान है, अनीता अग्रवाल ने हमारा भारत देश, सोनम चौधरी ने मैं भारत की बेटी हूं, लक्ष्मी खत्री ने हां ये मेरा हिंदुस्तान है और लाज खत्री ने दे सलामी इस तिरंगे को की प्रस्तुति दी। इसी प्रकार तेजकिरण जैन ने शहीदों की कुबार्नी पर कविता प्रस्तुत की, जबकि प्रभा जैन ऑनलाइन जुड़कर काव्य पाठ किया। अंजू सोनी ने भारत प्यारा देश हमारा, मधु चौधरी ने हम भारत मां के बच्चे, राजकुमारी अग्रवाल ने हम करते वीर शहीदों को नमन, रिंकू सोलंकी ने भगत सिंह पर आधारित कविता, संगीता विश्वकर्मा ने ऐ मालिक तेरे बंदे, कोमल देशमुख ने आजादी के 79 वर्ष तथा रूपल शाह ने मेरा रंग दे बसंती चोला गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सभी लेखिकाएं तिरंगा परिधान में नजर आईं। देशभक्ति के गीतों पर उन्होंने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और वातावरण को राष्ट्रप्रेम से सराबोर कर दिया। संचालन संध्या धारीवाल व आभार वीणा गोयल ने माना।

रेलवे गेट बंद होने से निर्मित होती जाम की स्थिति व्यवस्थाओं को संभालने के लिए बल नहीं

शुजालपुर। शहर में तिरंगा यात्रा का कार्यक्रम होने से पहले तो हाईवे पर आवागमन में लगभग दो घंटे परेशानी रही, लेकिन इसके बाद पुलिस चौकी चौराहे पर दोपहर 2 से शाम 4 बजे तक बार-बार लम्बा जाम लगता रहा। इस जाम को हटाने में यातायात कर्मी भी परेशान होते रहे और उनके भी पसीने छूट गए। बता दे रेलवे गेट के बार-बार लगने से नेशनल हाइवे और शहर के आंतरिक मार्गो से आने वाले वाहनों की लम्बी कतार लग रही है, उधर अंडर ब्रिज में पानी होने के कारण अंडर ब्रिज से आवागमन पुरी तरह रूक चुका है, ऐसे में दो पहिया व हल्के चार पहिया वाहन भी रेलवे गेट लगने के बाद रूक जाते है। गेट के खुलने पर भी वाहन रेंगते रहते है क्योकि इस मार्ग पर नियमित रूप से यातायात कर्मी की मौजूदगी नहीं होने से रेलवे गेट मार्ग पर वाहनों की कतार डबल लग जाती है और चौराहे पर भी जाने के लिए मार्ग खुला नहीं रहता है जिससे ट्राफिक गेट खुलने पर सुचारू नहीं हो पाता है। मंडी क्षेत्र में सड़कों की चौड़ाई तो काफी है लेकिन सड़क पर मौजूद हाथ ठेलों व वाहनों की मौजूदगी के कारण सड़क का आधा हिस्सा ही वाहनों के चलने के लिए बचता है। प्रशासन भी नियमित कार्यवाही नहीं करता है, जिससे अतिक्रमण लगातार बढ़ रहा है।

छात्राओं को वर्षा ऋतुचर्या की दी जानकारी बीमारियों से बचाव के बताए उपाय

शुजालपुर। आयुष विभाग शाजापुर ने सीएम राइज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अवन्तिपुर बड़ोदिया में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. गिर्राज बाथम के निर्देशन में हुए कार्यक्रम में विद्यार्थियों को वर्षा ऋतु में स्वास्थ्य की देखभाल के संबंध में जानकारी दी गई। आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्यामसुंदर परमार ने वर्षा ऋतुचर्या पर व्याख्यान देते हुए मौसम में होने वाली सामान्य बीमारियों और उनसे बचाव के उपाय बताए। उन्होंने विद्यार्थियों को आयुर्वेद के अनुसार वर्षा ऋतु में खान-पान, दिनचर्या, पथ्य-अपथ्य तथा उपयोगी योगासनों की जानकारी दी। साथ ही स्वस्थ रहने के लिए संतुलित आहार और नियमित दिनचर्या अपनाने पर जोर दिया। इस दौरान आयुर्वेद कंपाउंडर कमल किशोर वर्मा, योग सहायक रोहित जावरिया सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

ज्वाइंट डायरेक्टर ने जिला अस्पताल में तैयारियों का जायजा लिया

शाजापुर। शाजापुर जिले में ऑनलाइन हेल्थ मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम जल्द लागू किया जाएगा। इसकी तैयारियों का जायजा लेने के लिए लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के वरिष्ठ संयुक्त संचालक प्रभारी डॉ. राजू निदरिया ने शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे शाजापुर जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रस्तावित डिजिटल व्यवस्था से जुड़ी तैयारियों की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डॉ. निदरिया ने कहा कि फिलहाल पूरी तरह लागू नहीं हुई है और इसे लागू करने की प्रक्रिया चल रही है। सिस्टम शुरू होने के बाद स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी विभिन्न जानकारियों को डिजिटल रूप से दर्ज और प्रबंधित किया जा सकेगा। इससे अस्पताल की व्यवस्थाओं की निगरानी और रिपोर्टिंग को अधिक व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी। इस प्रणाली के माध्यम से मरीजों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड, अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्रों की गतिविधियां, दवाइयों और अन्य संसाधनों की उपलब्धता जैसी जानकारी ऑनलाइन प्रबंधित की जा सकेगी।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि, मेरे पक्षकार ने भूपेन्द्र कुमार वर्मा पिता श्री गोपाल वर्मा जाति-बोरासी (गैर आदिवासी) निवासी-71, मंछामन गणेश कालोनी उज्जैन (म.प्र.) कृषक-ग्राम सारोला तहसील घट्टिया जिला उज्जैन (म.प्र.) से उनके स्वामित्व स्वत्व एवम आधिपत्य की कृषि आराजी भूमि सर्वे नम्बर-250 रकबा 0.40 हैक्टर लगानी बरूऐट स्थित ग्राम सारोला पटवारी हल्का नम्बर-79 तहसील घट्टिया जिला उज्जैन (म.प्र.) में हैं, को क्रय करने का मौखिक सौदा किया गया होकर टोकन राशि अदा कर दी हैं, अब शेष विक्रय धन अदाकर विक्रय-पत्र का पंजीयन करवाना शेष हैं, यदि उक्त सम्पत्ति को लेकर किसी प्रकार का कोई लेन देन अथवा किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, या किसी वित्तीय संस्थान आदि का कोई बकाया हो या किसी का क्रय अनुबन्ध हो अथवा किसी का कोई स्वत्व, हित, अधिकार या सुखाधिकार हो तो वह इस जाहिर सूचना प्रकाशन की दिनांक से अवधि सात (7) दिन में अपनी आपत्ति सप्रमाण लिखित में मेरे कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर पेश करें अन्यथा बाद गुजरने अवधि मेरा पक्षकार अपने हित में विक्रय-पत्र का पंजीयन करवा लेंगे तथा पश्चात कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बन्धनकारक नहीं होगी, सूचित हो । दिनांक-14.08.2026

कु. मनोहरसिंह राणावत सर्विस प्रोवाईडर
सी-10 भरतपुरी काम्पलेक्स उज्जैन
मोबा. -98268.87494

तिरंगे की शक्ति और भारत की एक-जुटता का संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचा

शुजालपुर में निकली ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

हर-घर तिरंगा अभियान के तहत गुरूवार को शुजालपुर में ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा का आयोजन हुआ। इस यात्रा में शामिल हुए हजारों लोगों ने सिटी के प्रारंभिक छोर से लेकर रोकडिया हनुमान मंदिर तक लगभग 5 किलोमीटर तक पैदल सफर तय किया और इस यात्रा की कतार लगभग एक किलोमीटर लम्बी रही।

प्रमुख मार्गो से जब यह तिरंगा यात्रा निकली तो देश भक्ति के नारों से शहर का माहौल राष्ट्र भक्ति से सराबोर हो गया। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ पचोर रोड स्थित स्वातंत्र्य वीर सावरकर स्कूल शुजालपुर से उच्च शिक्षा तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदरसिंह परमार की उपस्थिति में हुआ। जो कि सिटी के प्रमुख मार्गो जेएनएस महाविद्यालय, माँ शारदा सांदीपनि विद्यालय, पुलिस चौकी होते हुए रोकडिया सरकार मंदिर परिसर में समाप्त हुई। तिरंगा यात्रा मार्ग पर विभिन्न संगठनों द्वारा पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। इस यात्रा में स्कूली बच्चों के अलावा महाविद्यालय के छात्र, एनएसएस, एनसीसी, जनप्रतिनिधि व अधिकारी कर्मचारी व प्रबुद्ध नागरिक शामिल हुए। तिरंगा यात्रा के समापन पर सभा लोहिया मार्ग पर हुई, जिसे संबोधित करते हुए मंत्री परमार ने कहा कि तिरंगा हमारे देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। यह हमें एकजुट रहने की प्रेरणा देता है और विश्व पटल पर भारत की शक्ति एवं पहचान का प्रतिनिधित्व करता है।

मंत्री परमार ने कहा कि शुजालपुर की धरती पर आयोजित यह तिरंगा यात्रा विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, शिक्षकों, नागरिकों एवं प्रशासन की सामूहिक सहभागिता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र के प्रति गौरव की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से देशवासियों को अपने घरों पर तिरंगा फ हराने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। मंत्री परमार ने कहा कि तिरंगे की शक्ति और भारत की एकजुटता का संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की स्वतंत्रता, संघर्ष, त्याग और राष्ट्रीय गौरव की पहचान है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष बबीता परमार, विजय सिंह बैस, देवेंद्र तिवारी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अंकिता पाटकर, तहसीलदार मुकेश सांवले, जनपद पंचायत शुजालपुर सीईओ सिद्धि कोरव, एसडीओपी निमेष देशमुख सहित गणमान्य नागरिकगण एवं विद्यालयीन छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कुंडालिया बांध का जलस्तर बढ़ाः निचले इलाकों में जलभराव

आगर-मालवा में तेज बारिश से फसलों को फायदा

अवन्तिका ▸▸ आगर मालवा

आगर-मालवा जिले में सोमवार के बाद एक बार फिर बारिश का दौर शुरू हो गया। शुक्रवार सुबह रिमझिम बारिश के बाद दोपहर में अचानक तेज बारिश हुई। इससे शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई। वहीं, बारिश से किसानों को खरीफ फसलों के लिए राहत मिली है। शुक्रवार को बड़ौद चौराहा, छावनी नाका और उज्जैन मार्ग सहित शहर के प्रमुख स्थानों पर पानी जमा हो गया। सड़कों पर जलभराव के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा।

बारिश से किसानों में उत्साह है। खेतों में खड़ी सोयाबीन और अन्य खरीफ फसलों के लिए इसे लाभदायक माना जा रहा है। किसानों को इस बार अच्छी पैदावार की उम्मीद है। जिले में इस मानसून अवधि में अब तक करीब 24 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। बांध में पानी की आवक को देखते हुए निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से नदी और अन्य जलस्त्रोतों के तटों से दूर रहने की अपील की गई है। प्रशासन ने लोगों से लापरवाही नहीं बरतने और तेज बारिश के दौरान नदी, नाले व जलभराव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से नहीं जाने की सलाह दी है।

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में जिले में कहीं तेज तो कहीं मध्यम बारिश होने की संभावना है।

कुंडालिया बांध में पानी की आवक जारी

लगातार बारिश के कारण जिले के महत्वपूर्ण कुंडालिया बांध में पानी की आवक बनी हुई है। बांध अपने निर्धारित जलस्तर तक पहुंच गया है। कुंडालिया बांध के अधिकारी अर्पित सक्सेना ने बताया कि यदि पानी की आवक इसी तरह बनी रहती है तो आने वाले समय में बांध के गेट खोलने पड़ सकते हैं।

16 अगस्त को निकलेगी डाक कावड़ यात्रा

सुसनेर। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल प्रखंड सुसनेर के तत्वावधान में आगामी 16 अगस्त रविवार को डाक कावड़ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यात्रा सुसनेर के ओंकारेश्वर महादेव मंदिर, कुटिया से प्रारंभ होकर तारकेश्वर महादेव मंदिर ताखला तक जाएगी। यात्रा को लेकर हिंदू समाज एवं बजरंग दल कार्यकर्ताओं द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। आयोजकों के अनुसार डाक कावड़ यात्रा का शुभारंभ सुबह 9:30 बजे ओंकारेश्वर महादेव मंदिर कुटिया से होगा।

The Court Of VIII Additional District and Sessions Judge, District Court, Ujjain

श्री हीरालाल अलावा

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)

(RCS HM/0000062/2025)

योगेंद्र सिंह---------- वादी

Vs

अंगुरबाला----------- प्रतिवादी

Process Id-/2026
पेशी दिनांकः 24/09/2026

प्रेषिती

(1) अंगुरबाला पति योगेंद्र सिंह पिता जितेन्द्रसिंह राजपूत पता- लिम्बास तहसील बड़नगर जिला उज्जैन

यह कि प्रार्थी योगेंद्र सिंह पिता श्री रणजीतसिंह पंवार, आयु 25 वर्ष, व्यवसाय-कृषि, निवासी-ग्राम उज्जैनिया तहसील घटिटया जिला उज्जैन म प्र मोबाईल नंबर 6261685811 ने आपके विरूद्ध एक आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 13(ए) हिन्दू विवाह अधिनियम, आपके एवं आवेदक के मध्य संपन्न हुए विवाह दिनांक 06/02/2025 को विद्यटित किया जाकर उक्त विवाह विच्छेद का निर्णय व जयपत्र पारित किये जाने का आदेश प्रदान करने हेतु रेगुलर सिविल सूट हिन्दु मेरिज एक्ट के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 12 अगस्त 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

हीरालाल अलावा
अष्टम जिला न्यायाधीश
उज्जैन (म.प्र.)

कृपया ध्यान दे- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार अमजद पिता न्याज मोहम्मद जाति नायता निवासी हाउस नं. 01 ग्राम बरडिया, कवटी तह. महु जिला इंदौर म.प्र. ने सुगनबाई पति मांगीलाल जी जाति कलोता निवासी 68/2 बडा बांगडदा इंदौर जिला इंदौर कृषक ग्राम जलोदिया तह. बडनगर जिला उज्जैन म.प्र. से उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य कि कृषि भूमि सर्वे नं. 39/1 रकबा 1.50 हे. भूमि स्थित ग्राम जलोदिया तह. बडनगर जिला उज्जैन म.प्र. को क्रय करने का सौदा तय किया होकर मेरे पक्षकार ने उपरोक्त सौदे पेटे आंशिक बयाना राशि भी विक्रेता/भूमि स्वामी को अदा कर दी है। मेरे पक्षकार से भूमि स्वामी ने उपरोक्त भूमि का विक्रय सौदा तय कर उपरोक्त सौदे पेटे विकेता ने विक्रय सौदा चिट्ठी भी मेरे पक्षकार के पक्ष में सम्पादित कर दी है तथा शिघ्र ही उपरोक्त भूमि का विक्रय अनुबंध पत्र भी मेरे पक्षकार के पक्ष में निष्पादित होना है एवं उसके पश्चात उक्त भूमि का रजिस्टर्ड विक्रय - पत्र भी मेरे पक्षकार के पक्ष में निष्पादित व पंजीकृत होना है। यदि उक्त भूमि के संबंध में किसी भी संस्था, बैंक निकाय का ऋण भार बकाया हो अथवा यह सम्पत्ति किसी के पक्ष में रहन हो अथवा किसी के पक्ष में कोई अनुबंध-पत्र या इस भूमि से सम्बधित मुख्तयारनामा आम या मुख्तयार नामा खास हो अथवा इस सम्पत्ति में उपरोक्त भूमि स्वामी के अतिरिक्त अन्य किसी भी व्यक्ति का कोई हित, स्वत्व व अधिकार हो या अन्य कोई आपत्ति हो तो जाहिर सुचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में लिखित रुप से मय दस्तावेजी प्रमाण के आपत्ति दर्ज करावें अवधि व्यतीत होने के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी तथा मेरा पक्षकार अनुबंधित भूमि का विक्रय पत्र अपने पक्ष में सम्पादित करा लेवेगा। सूचित हो। दिनांक 14.08.2026

दीपक कवाडिया एडव्होकेट न्यायालय
परिसर बडनगर जिला उज्जैन (म.प्र.)
मो. -9165688220

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेता मूल भुमि स्वामी शिव सिंह पिता इंदर सिंह ग्राम विरमखेडी तहसील घटिया जिला उज्जैन मध्यप्रदेश से उनके स्वामित्व, स्वत्व एवं अधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे नंबर 47 रकबा 2.48 हैक्टर कुल किता 01 कुल विक्रित रकबा 2.48 हैक्टर लगानी स्थित ग्राम विरमखेडी तहसील घटिया जिला उज्जैन मध्यप्रदेश व विक्रेता मूल भुमि स्वामी छीतू लाल राठौर पिता बसंती लाल राठौर निवासी ग्राम गुनई खालसा तहसील उज्जैन मध्यप्रदेश से उनके स्वामित्व, स्वत्व एवं अधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे नंबर 46/2/2/1 रकबा 0.20 हैक्टर कुल किता 01 कुल विकित रकबा 0.20 हैक्टर लगानी स्थित ग्राम विरमखेडी तहसील घटिया जिला उज्जैन मध्यप्रदेश को क्रय करने का सौंदा चिट्ठी पत्रक किया होकर बयाना राशि अदा कर दी है। अब शेष विक्रय धन अदा कर विक्रय अनुबंध पत्र व विक्रय पत्र का पंजीयन करवाना शेष है। यदि उक्त वर्णित कृषि भूमि पर किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासन या बैंक अथवा अन्य किसी का भी किसी प्रकार का कोई ऋण, भार अथवा कोई व्यवहार किसी भी प्रकार का हो, अथवा उक्त सम्पत्ती किसी को रहन या अन्य किसी भी प्रकार से अन्तरित या ऋण भारित की हुई हो या किसी भी व्यक्ति की कोई लेनदारी आदि हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 (सात) दिवस की अवधि में मय लिखित प्रमाण मुझसे मेरे कार्यालयीन समय में आकर सम्पर्क करें एवं अपना दावा एवं आपत्ति रखें। अन्य दशा मैं बाद अवधि मेरे पक्षकार द्वारा उक्त कृषि भूमि का विक्रय पत्र सम्पादन अपने हित में करवा लिया जावेगा। व कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी सूचित हो। इति दिनांकः 14-08-2026

मोहित पाटीदार (सर्विस प्रोवाईडर)
तहसील कार्यालय घट्टिया, जिला उज्जैन
मोबाईल 7999640229, 9669092880

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं नाजनीन पति सन्नवर हुसैन निवासी 6/4, आजाद गली नं. 1, केसरपुरा, महिदपुर जिला उज्जैन (म.प्र.) 456443 की निवासी होकर आज दिनांक 14/08/2026 से अपना पुराना नाम नाजनीन पति सन्नवर हुसैन बदलकर नया नाम नाजमीन बी पति सन्नवर हुसैन मुल्तानी (NAJMIN BEE W/O SANNAWAR HUSSAIN MULTANI) रख लिया है। अतः आज के बाद मुझे अपने नये नाम से जाना जावें एवं इसी नाम से व्यवहार किया जावें।

कार्यालय नगर पालिक निगम देवास (म.प्र.)

षष्ठम निविदा आमंत्रण सूचना

सूचना क्र./114/HEALTH/2026 **देवास, दिनांकः- 11.08.2026**

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट http:mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है :-

क्र.	टेण्डर जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम.डी.	निविदा क्रय की अंतिम तिथि
1	2026_UAD _528863_1 11/08/ 2026	देवास निगम सीमा क्षेत्र के आवारा श्वानों की नसबंदी और टीकाकरण के लिए एक वर्ष के लिए गैर सरकारी संगठनों/पशु कल्याण संगठनों जो कि एनीमल वेलफेयर वार्ड ऑफ इंडिया से पंजीबद्ध हो हेतु षष्ठम ऑनलाईन निविदा प्रपत्र।	12 माह 50,00,000/-	10,000/- 1,50,000/-	01.09.2026 06.00 पीएम

निविदा से संबंधित किसी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन http:mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

आयुक्त
नगर पालिक निगम, देवास

डीजे वाहन के पेड़ से टकराते ही भड़की

मधुमक्खियों का तिरंगा यात्रा पर हमला, एक दर्जन लोग घायल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ विजयागंज मंडी

विजयागंज मंडी क्षेत्र में शुक्रवार को तिरंगा यात्रा के दौरान मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। यात्रा में शामिल एक डीजे वाहन के पेड़ से टकराने के बाद पेड़ पर मौजूद मधुमक्खियां भड़क गईं और उन्होंने लोगों पर हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से यात्रा में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। वहीं हमलें में 1 दर्जन लोग घायल है।

भाजपा जिला महामंत्री विजय सिंह पवार ने बताया कि तिरंगा यात्रा के दौरान डीजे वाहन एक पेड़ से टकरा गया था। पेड़ पर मधुमक्खियों का छत्ता मौजूद था। वाहन के टकराने से मधुमक्खियां भड़क गईं और उन्होंने वहां मौजूद लोगों पर हमला कर दिया।लोग खुद को बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए।

इस दौरान 1 दर्जन लोग मधुमक्खियों के डंक का शिकार हो गए। जिसमें से चार घायलों को जिला अस्पताल लाया गया है। वहीं अन्य घायलों का विजयगंज मंडी क्षेत्र के आसपास के अस्पतालों में इलाज कराया गया।

घायलों को अस्पताल पहुंचाया

घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने मधुमक्खियों के डंक से घायल हुए लोगों की मदद की। उन्हें तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। अचानक हमले के कारण तिरंगा यात्रा का माहौल कुछ देर के लिए बाधित रहा।

3 चोरों से 6 चोरी की बाइक जब्त

दैनिक अवन्तिका ▸▸ खातेगांव

कन्नौद पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी करने वाले एक गिरोह का खुलासा करते हुए 3 आरोपियों को पकड़ा। पुलिस को इनकी निशानदेही पर चोरी की 6 बाइक मिली। इनमें से दो बाइकें दर्ज मामलों से जुड़ी हैं, जबकि बाकी गाड़ियों के बारे में आगे की जांच की जा रही है।

घटना 8 अगस्त की है, जब गंगाराम टाकिया ने साई मंदिर तिराहा स्थित अपने किराए के मकान के बाहर से दो हीरो स्प्लेंडर बाइकें चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। चोर रात में गाड़ियां ले गए थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और चोरों की तलाश शुरू की।

कार्यालय रजिस्ट्रार ऑफ पब्लिक ट्रस्ट एवं अनुविभागीय अधिकारी, उज्जैन नगर, जिला उज्जैन

क्रमांक / रीडर-1/2028/H.N.1049 **उज्जैन दिनांकः 12/8/2026**
प्रकरण क्रमांक 00/बी-113/26-27
लोक न्यास का नाम- श्री सत्यनारायण मंदिर पारमार्थिक न्यास
पंजीयन क्रमांक-

श्री सत्यनारायण मंदिर पारमार्थिक न्यास द्वारा सचिव श्री श्यामलाल साकोनिया कार्यालय 14 गुदरी चौराहा 24 खम्बा मार्ग उज्जैन
आवेदक
विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन

विज्ञप्ति

दिनांक 12/08/2026

एत्तद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री श्यामलाल साकोनिया पिता स्व. श्री बोंदालाल साकोनिया सचिव 'श्री सत्यनारायण मंदिर पारमार्थिक न्यास' कार्यालय 14 गुदरी चौराहा 24 खम्बा उज्जैन म.प्र. द्वारा श्री सत्यनारायण मंदिर पारमार्थिक न्यास' के नवीन ट्रस्ट पंजीयन हेतु आवेदन पत्र, राजस्व खाते में जमा रू. 100/- के चालान क्रमांक 0029191046 दिनांक 25.06.2026 की मूल प्रति, ट्रस्ट डीड (मूल) ट्रस्टियों आधार कार्ड आदि दस्तावेजों की छायाप्रति प्रस्तुत कर मध्यप्रदेश ट्रस्ट एक्ट 1951 धारा 04 के अधीन नवीन ट्रस्ट पंजीयन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसमें ट्रस्ट का विवरण निम्नानुसार है-

न्यास का नामः- श्री सत्यनारायण मंदिर पारमार्थिक न्यास'

कार्यालय :- 14 गुदरी चौराहा 24 खम्बा मार्ग उज्जैन

अचल संपत्ति :- वर्तमान में न्यास ने अपने पास भवन क्रमांक 14 स्थित 24 खम्बा मार्ग जो की वर्तमान श्री सत्यनारायण मंदिर मालवीय रजक 84 पंचायत एवं मालवीय वसीटा रजक धोबी सामाजिक समिति के नाम से दर्ज है, भूखण्ड कमांक 59-ए अशोक नगर मक्सी रोड उज्जैन जिसे श्री नंदकिशोर पिता पन्नालालजी मालवीय द्वारा श्री सत्यनारायण मंदिर को दान में प्रदाय किया गया है अचल संपत्ति के रूप में दशाई है।

चल संपत्ति :- आवेदन में उल्लेखित चल संम्पत्ति में बैंक ऑफ इंडिया शाखा नारंग काम्प्लेक्स फ्रीगंज उजेन में ट्रस्ट के नाम से बैंक खाता क्रमांक 910110110002069 में दिनांक 31.07 2026 तक कुल 53,90,000/- रू. (अक्षरी रू. त्रेपन लाख नब्बे हजार रू) जमा राशि दर्शाई गयी है।

क्र.	ट्रस्ट को घोषित करने वालों का नाम एवं पता	पदनाम
01	श्री गनोज सुल्ताने पिता स्व. श्री योगेंद्र सुल्ताने	अध्यक्ष
02	श्री श्यामलाल पिता स्व. श्री बोंदालाल साकोनिया	सचिव
03	श्री राजेश गारोलिया पिता श्री कैलाशचंद्र नारोलिया	कोषाध्यक्ष
04	श्री निलेश बिलोदिया पिता श्री रामचंद्र बिलोदिया	उपाध्यक्ष
05	श्री हितेश मालवीय पिता श्री श्यामलाल मालवीय	प्रभारी
06	श्री गोपाल खेत्रा पिता स्व. श्री दशरथलाल खेत्रा	संयुक्त सचिव
07	श्री कैलाश पिता श्री गेंदालाल सिसौदिया	वरिष्ठ उपाध्यक्ष
08	श्री रामजीलाल पिता स्व. श्री मांगीलाल मालवीय	व्यवस्थापक
09	श्री किशोर पिता स्व. श्री लक्ष्मीनारायण मालवीय	समन्वयक
10	श्री बालकृष्णा वर्मा पिता स्व. श्री नारायणलाल वर्मा	समन्वयक
11	श्री प्रदीप डाबी पिता स्व. श्री भेरूलाल डाबी	सदस्य
12	श्री राधेश्याग बरेठा पिता स्व. श्री राजाराम बरेठा	सदस्य
13	श्री बंशीलाल कोदिया पिता श्री रमेशचंद्र कोदिया	सदस्य
14	श्री धर्मेन्द्र गालवीय पिता स्व. श्री शंकरलाल गालवीय	सदस्य
15	श्री प्रहलादसिंह पिता श्री बाबूलाल मालवीय सिहोर	सदस्य
16	श्री चंद्रशेखर नाहार पिता स्व. श्री कन्हैयालाल नाहार	रादस्य
17	श्री भारत मालवीय पिता श्री नंदूलाल मालवीय	सदस्य
18	श्री मनीष खाटवा पिता श्री फकीरचंद्र खाटवा	सदस्य
19	श्रीमती पूनम पति स्व. श्री चिंतामण सिसौदिया	सदस्य
20	श्रीमती हर्षजा पति श्री राजेश सातोलिया	सदस्य
21	सुश्री मनीषा मालवीय	सदस्य
22	श्री रामचंद्रजी खत्री पिता श्री जगन्नाथ	संरक्षक न्यासी
23	श्री सत्यनारायण पिता स्व. श्री हरीराम करवरिया	संरक्षक न्यासी
24	श्री नाथूलाल पिता स्व. श्री केसुरामजी परमार	संरक्षक न्यासी
25	श्री पन्नालाल पिता स्व. श्री रूपाजी सिसौदिया	संरक्षक न्यासी
26	श्री रतनलाल बंजारा पिता स्व. शंकरलालजी बंजारा	संरक्षक न्यासी
27	श्री सोहनलाल मेहता ग्राम पाताखेड़ी जिला रतलाम	संरक्षक न्यासी
28	श्री कैलाश नारोलिया उज्जैन	संरक्षक न्यासी
29	श्री जीवनलालजी खालोटिया स्व. श्री मांगीलाल उज्जैन	संरक्षक न्यासी
30	श्री रमेश मालवीय देवास	संरक्षक न्यासी
31	श्री सुरेश मालवीय इंदौर	संरक्षक न्यासी
32	श्री मूलचंद्र वर्मा पिता श्री रामकिशोर वर्मा	संरक्षक न्यासी
33	श्री रमेशचंद्र मालवीय पिता स्व. श्री धुलजी मालवीय	संरक्षक न्यासी
34	श्री भुवान परमार	संरक्षक न्यासी
35	श्री रमेश मालवीय	संरक्षक न्यासी
36	श्री बद्रीलाल काठबडोदिया मालवीय	संरक्षक न्यासी

म.प्र. पब्लिक ट्रस्ट एक्ट 1951 की धारा 04 के अंतर्गत उक्त ट्रस्ट पंजीयन के संबंध में उक्त न्यास या सम्पत्ति का कोई न्यासधारी या कार्यवाही, न्यासधारी या उसमें हित रखने वाले और किसी आपत्ति का सुझाव प्रस्तुत करने का विचार रखने वाले व्यक्ति को इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन प्रस्तुतकर्ता मेरे समक्ष उपरोक्त दिनांक को या तो व्यक्तिशः या अभिभाषक या अभिकर्ता के द्वारा उपस्थित होना चाहिए। नियत अवधि के उपरांत प्रस्तुत होने वाली आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

दिनांक 12/08/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से उक्त सूचना पत्र जारी किया गया।

रजिस्ट्रार ऑफ पब्लिक ट्रस्ट एवं अनुविभागीय अधिकारी अनुभाग उज्जैन नगर, जिला- उज्जैन

विधायक पण्ड्या ने मॉ चामला मय्या को चुनर अर्पित कर पूजा अर्चना की

बड़नगर। नगर का प्रमुख जल स्त्रोत मॉ चामला मय्या के इस वर्ष प्रथम बार जलमग्न होने से परम्परा अनुसार विधायक जितेन्द्र उदयसिंह पण्ड्या, नगर पालिका अध्यक्ष अभय टोंग्या, उपाध्यक्ष अनिता सतीश वर्मा, जल सभापति अजय दौराया द्वारा मॉ चामला मय्या की चुनर अर्पित कर पूजा अर्चना की गई। इस अवसर सभापति अजय दौराया द्वारा विधायक पंड्या का सॉफा/दुपट्टा एवं पुष्पमाला पहनाकर स्वागत सत्कार किया गया। इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष नवीन राठौड, गणपत डाबी, जिला उपाध्यक्ष अनिल यादव, जिला महामंत्री विजय चौधरी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष उषा सोनी, पार्षद नेहा शांतिलाल गोखरू, एल्डरमेन राजकुमारी निम्बोला, अशोक शाह मेनेजर, मधुसुदन गुर्जर, किशोर पांचाल, महेश सेन , सत्यनारायण भाटी, पार्षद प्रतिनिधी लालबहादुर बादशाह, राजेश परमार, सांसद प्रतिनिधी जितेन्द्र यादव सहित अन्य गणमान्यजन अवाम एवं नगर पालिका अधिकारी/ कर्मचारीगण संजय श्रीवास्तव, मनोज घोष सहायक यंत्रीआदी कर्मचारी उपस्थित थें।

स्कूली बच्चों ने पौधे लगाकर पर्यावरण सुरक्षा को दिया संदेश

खरसौदकलां। स्कूली बच्चों में हरियाली अमावस्या पर पौधे रोपकर जागरूकता के साथ पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया है। विद्याथीर्यों ने पौधे लगाकर सुरक्षा इंतजाम का भी संकल्प लिया। समीप में चामला नदी किनारे फ्यूचर साइन हायर सेकेंडरी स्कूल के बच्चों ने हरियाली दिवस पर पर्यावरण सुधार में संकल्प लेकर सैकड़ो पौधे रोपे। बच्चों ने सरकारी भूमि एवं स्कूल परिसर में छायादार फलदार पौधे लगाएं पोंधे स्कूल संचालक बसंतीलाल राठौर एवं स्कूल प्राचार्य वैनेला मेडम की मौजूदगी में रोपे।

तिरंगा यात्रा निकली, देश भक्ति के नारों से गूंजा नगर

खाचरौद। स्वतंत्रता दिवस से पहले देशभक्ति की भावना को और मजबूत करने के उद्देश्य से बुधवार को शहर में भव्य तिरंगा यात्रा नगर पालिका परिषद् द्वारा निकाली गई। यात्रा में हजारों की संख्या में स्कूली बच्चे, युवा, सामाजिक संगठन और आम नागरिक हाथों में तिरंगा लेकर शामिल हुए। लगभग 3 किलोमीटर लम्बी यह भव्य तिरंगा यात्रा उज्जैन दरवाजा, विक्रम मार्ग से शुरू होकर सागरमल मार्ग, गणेश देवली, अनंतनारायण मंदिर चौराहा, चबूतरा चौराहा, लक्ष्मीनाथ मंदिर चौराहा होते हुए शासकीय कन्या शाला विद्यालय तक पहुंची। इस दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम और हर घर तिरंगा₹ के नारे गूंजते रहे। तिरंगे की लंबी कतार ने पूरे माहौल को देशभक्तिमय बना दिया।

लखनवास में निकली तिरंगा यात्रा, मंत्री पंवार हुए शामिल

ब्यावरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से देशभर में चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आज लखनवास में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नारायण सिंह पंवार ने सहभागिता कर तिरंगा हाथ में लेकर राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर मंत्री पंवार ने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश के गौरव, एकता, अखंडता और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने नागरिकों से हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने तथा अपने घर एवं प्रतिष्ठान पर तिरंगा फहराकर देश की आन-बान-शान के प्रति अपने संकल्प को और मजबूत करने का आह्वान किया।

बारिश की फुहारों के बीच निकली तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के नारों से गूंजा सुसनेर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

हर घर तिरंगा अभियान 2026 के तहत बुधवार को नगर परिषद सुसनेर के तत्वावधान में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। बारिश की फुहारों के बीच निकली इस यात्रा में स्कूली बच्चों सहित नगरवासियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मौसम खराब होने के बावजूद यात्रा को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। हाथों में तिरंगा थामे स्कूली बच्चे देशभक्ति के नारों के साथ यात्रा में शामिल हुए, जिससे नगर का वातावरण राष्ट्रभक्ति से सराबोर हो गया। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ विश्राम गृह (डाक बंगला) से किया गया। यहां से बड़ी संख्या में प्रतिभागी हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर यात्रा में शामिल हुए। बारिश की हल्की फुहार के बीच तिरंगा यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी।

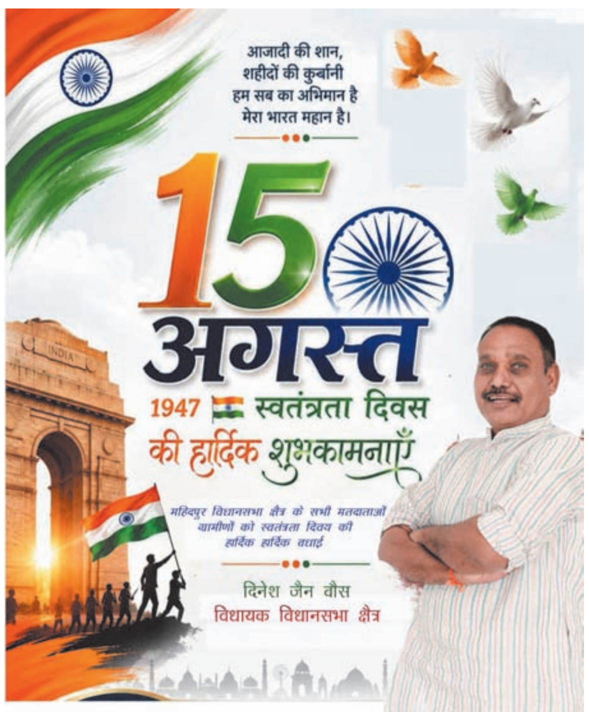

स्कूली स्तर पर दी जाए वित्तीय शिक्षा

कृति खरबंदा हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित 'वी वुमेन वॉन्ट कॉन्क्लेव एंड शक्ति अवॉर्ड्स 2026' में भाग लेते हुए स्कूली स्तर पर वित्तीय शिक्षा शुरू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों को शुरू से ही पैसे कमाने, बचाने और निवेश करने की शिक्षा मिलनी चाहिए, ताकि वे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकें। अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने न सिर्फ 17 साल की उम्र से ही कमाना शुरू कर दिया था, बल्कि परिवार की जिम्मेदारी भी संभाली थी। कृति ने कहा, मैं हमेशा से एक लड़की और महिला के तौर पर आत्मनिर्भर बनने की समर्थक रही हूं। इस साल फरवरी से मैंने दोबारा पढ़ाई शुरू कर दी है और फिलहाल जियोपॉलिटिक्स के साथ अपने फाइनान्स को भी संभालना सीख रही हूं।

कृति ने कहा कि वह पहली बार अपना पूरा फाइनेंशियल पोर्टफोलियो खुद संभाल रही हैं और यह हर किसी को सीखना चाहिए। उन्होंने कहा, ₹जिस तरह हम हर महीने पीरियड्स और ओवरऑल वेल-बीइंग की बात करते हैं, उसी तरह बच्चों को यह भी सिखाया जाना चाहिए कि पैसे कैसे कमाने हैं, बचाने हैं, इन्वेस्ट करना है और फाइनान्स कैसे काम करता है।₹ उन्होंने कहा कि वित्तीय शिक्षा की कमी के कारण किशोरावस्था में कई बार बच्चों को आम जीवन के जरूरी फैसले लेना मुश्किल हो जाता है।

26 साल बाद हिंदी फिल्मों में कमबैक

शिल्पा शिरोड़कर 1990 के दशक की पॉपुलर एक्ट्रेस रही हैं। उनकी दमदार एक्टिंग और डांसिंग के लोग कायल थे। उनकी आखिरी हिंदी फिल्म 'गज गामिनी' थी, जो साल 2000 में रिलीज हुई थी। अब लगभग 26 साल बाद शिल्पा इंडस्ट्री में वापसी करने जा रही हैं। खबर है कि उनकी 'मालामाल वीकली 2' में एंट्री हो गई है। जल्द ही वह शूटिंग शुरू करेंगी। 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' फेम डायरेक्टर अमित जोशी की इस कॉमेडी फिल्म में रवीना टंडन और परिणीति चोपड़ा भी काम कर रही हैं। जबकि परेश रावल की एंट्री पहले से ही कन्फर्म हो चुकी है। यह फिल्म साल 2006 में आई 'मालामाल वीकली' की सीक्वल फिल्म होगी। शिल्पा 'जटाधरा' से साउथ फिल्मों में कमबैक कर चुकी हैं।

सुकृति कक्कड़ की सगाई

गायिका सुकृति कक्कड़ ने अपने ब्वॉयफ्रेंड शौमिक शेट्टी से सगाई कर ली है। इसकी खूबसूरत तस्वीरें उन्होंने इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। एक तस्वीर में शौमिक घुटनों पर बैठकर उन्हें अंगूठी पहनाते दिख रहे हैं। अन्य तस्वीरों में दोनों के रोमांटिक पलों की झलक देखने को मिलती है, जिसमें खूबसूरत नजारों के बीच डिनर डेट भी शामिल है। गायिका ने कैप्शन में लिखा, ₹आज, कल, हमेशा। साथ में अंगूठी और दिल वाला इमोजी जोड़ा। सुकृति के मंगेतर शौमिक मुंबई में रहने वाले और पेशे से बिजनेसमैन हैं, जो स्वास्थ्य और हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में सेवाएं देते हैं। सुकृति की बात करें, तो उन्होंने कपूर एंड सन्स' के गाने 'कर गई चुल्ल' और 'पठान' के गाने 'झूमे जो पठान' में आवाज देकर लोकप्रियता हासिल की है।

टाइगर संग फिल्म पश्मीना ने दिखाई झलक

ऋतिक रोशन की चचेरी बहन पश्मीना रोशन ने लगभग दो साल पहले फिल्म 'इश्क विश्क रिबाउंड' से एक्टिंग करियर शुरू किया था। पहली फिल्म तो चली नहीं, अब दूसरी फिल्म में उनकी जोड़ी टाइगर श्रॉफ के साथ देखने को मिलेगी। दोनों कोरियोग्राफर डायरेक्टर रेमो डिसूजा के निर्देशन में काम कर रहे हैं। यह एक एक्शन फिल्म होगी। पश्मीना ने हाल ही में फिल्म के सेट से कुछ बिहाइंड-द-सीन तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनके शूटिंग रुटीन की झलक देखने को मिली। शेयर की गई तस्वीरों में पश्मीना शूट के बीच अपनी वैनिटी वैन में नजर आ रही हैं। मेकअप रूम के कुछ कैंडिड मोमेंट्स के साथ उन्होंने अपनी स्क्रिप्ट की एक तस्वीर भी शेयर की है। पश्मीना ने पोस्ट में लिखा है, फिल्म के सेट पर बिताए दिनों से बेहतर कुछ नहीं, लेकिन इस बार का सफर कुछ ज्यादा ही खास है।

देश के लिए क्रिकेट खेलना चाहते थे सुनील

सुनील शेट्टी की जन्मतिथि 11 अगस्त 1961 है और अब वह 65 वर्ष के हो गए हैं। हालांकि, उनकी कद-काठी और फिटनेस देखकर उनकी उम्र का अंदाजा लगा पाना मुश्किल है। कर्नाटक के मैंगलोर के निकट मुल्की में जन्मे सुनील ने 1992 में फिल्म 'बलवान' से एक्टिंग करियर शुरू किया था। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस फिल्म में सुनील के साथ काम करने के लिए कोई एक्ट्रेस तैयार नहीं थी। बाद में दिवंगत अभिनेत्री दिव्या भारती राजी हो गई और सुनील के साथ उनकी जोड़ी देखने को मिली। अच्छी बात यह रही कि पहली ही फिल्म से सुनील एक्शन हीरो बनकर उभरे और उन्होंने 1994 की 'मोहरा' से लेकर 'धड़कन', 'दिलवाले', 'गोपी किशन', 'कृष्णा', 'रक्षक', 'बॉर्डर', 'हेराफेरी' समेत कई शानदार फिल्में दीं। एक्टर ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें एक्टिंग का कोई शौक नहीं था। वह क्रिकेटर बनना चाहते थे और अपने देश के लिए खेलना चाहते थे। खिलाड़ी बनने के लिए उन्होंने मार्शल आर्ट सीखा, फिटनेस पर ध्यान दिया। वह किक बॉक्सिंग में ब्लैक बेल्ट हैं।

गॉल टेस्ट- भारत तीन लेफ्ट आर्म स्पिनर उतार सकता है

गेंदबाजी कोच मोर्केल ने संकेत दिए, कहा- कुलदीप, जडेजा और सुथार की स्किल्स अलग

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारत गॉल टेस्ट में तीन लेफ्ट आर्म स्पिनर उतार सकता है। टीम के बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्केल ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसके संकेत दिए। टीम कुलदीप यादव, मानव सुथार और रवींद्र जडेजा को प्लेइंग-11 में मौका दे सकती है। मोर्केल ने कहा- ह्यतीनों गेंदबाज की स्किल्स अलग-अलग है। इनमें 20 विकेट लेने की काबिलियत है। कुलदीप बाएं हाथ की कलाई वाली स्पिन से गेंदबाजी करते हैं। जडेजा लगातार विकेट पर गेंदबाजी कर सकते हैं। वहीं सुथार उंचे कद के साथ पुराने दौर वाली बाएं हाथ की स्पिन डालते हैं।'

मोर्केल ने कहा कि- गॉल की पिच पर भारत के स्पिन गेंदबाज टीम को अटैकिंग ऑप्शन देते हैं। मैच आगे बढ़ने के साथ पिच पर स्पिनरों को मदद करेगी।' उन्होंने कहा- यहां खेले गए मैचों पर नजर डालें तो तीन स्पिनरों के साथ जाना सही लगता है।'

हालांकि मोर्केल का मानना है कि कप्तान शुभमन गिल इन गेंदबाजों का कैसे इस्तेमाल करते हैं, इसपर काफी कुछ निर्भर करेगा। टीम मोहम्मद सिराज के साथ एक और तेज गेंदबाज खेल सकता है। मोर्केल ने कहा कि प्रसिद्ध और गुरनूर में से जिसे प्लेइंग-11 में जगह मिलेगी, वह जिम्मेदारी निभाएंगे। उन्होंने कहा कि दोनों ने काफई डोमेस्टिक क्रिकेट खेला है।

शॉर्ट बॉल का समझदारी से इस्तेमाल हो

मोर्केल ने माना कि उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती गर्मी होगी। इसके अलावा उन्होंने कहा- तेज गेंदबाज के लिए 20 से 35 ओवर के बाद गेंद नरम हो जाएगी। गेंदबाजों को क्रीज का इस्तेमाल करने और शॉर्ट बॉल के इस्तेमाल में समझदारी दिखाने की जरुरत है।'

बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का लोएस्ट स्कोर

नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ डार्विन में खेले जा रहे पहले टेस्ट की पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया 198 रन पर ऑलआउट हो गई। यह टेस्ट क्रिकेट में बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का सबसे कम स्कोर है। बांग्लादेश के लिए हसन महमूद ने 17 ओवर में 55 रन देकर 6 विकेट लिए। तस्कीन अहमद और इबादत हुसैन को 2-2 विकेट मिले। बांग्लादेश ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक 1 विकेट पर 96 रन बना लिए। एकमात्र विकेट मिचेल स्टार्क ने लिया। उन्होंने टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लने वाले गेंदबाजों में कपिल देव की बराबरी कर ली। दोनों के 434 विकेट हैं।

भारत पहली बार कॉमनवेल्थ फेंसिंग का ओवरऑल चैंपियन

नई दिल्ली। भारत ने नाइजीरिया के लागोस में कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैंपियनशिप में पहली बार ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब जीता है। भारतीय फेंसर्स ने सीनियर और अंडर-23 कैटेगरी में कुल 35 मेडल जीते। इस प्रदर्शन के लिए भारत को विल्किंसन स्वॉर्ड ट्रॉफी भी मिली। यह कॉमनवेल्थ फेंसिंग फेडरेशन की ओर से चैंपियनशिप में सबसे अच्छे ओवरऑल प्रदर्शन के लिए दी जाती है। भारत ने पहली बार इस ट्रॉफी को अपने नाम किया है। सीनियर भारतीय फेंसर्स ने प्रतियोगिता के चौथे दिन 6 इवेंट में से 5 में गोल्ड जीते।

नैनो न्यूज

- **हॉकी विश्व कप कल से** – 2026 हॉकी विश्व कप 15 अगस्त से बेल्जियम-नीदरलैंड्स में शुरू होगा। भारत पुरुष और महिला दोनों वर्गों में उतरेगा।
- **हसन महमूद चमके** – बांग्लादेश के तेज गेंदबाज हसन महमूद ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 विकेट लेकर करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।
- **श्रीलंका से भिड़ेगा भारत** – भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। शुभमन गिल की टीम ने तैयारी शुरू कर दी है।
- **गंभीर के समर्थन में हरभजन** – पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने आलोचनाओं के बीच मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन किया और उन्हें समय देने की बात कही।
- **भारत ने ASEAN कप छोड़ा** – भारतीय फुटबॉल टीम ने अक्टूबर में ब्राजील के खिलाफ प्रस्तावित मुकाबले को प्राथमिकता देते हुए FIFA ASEAN Cup से हटने का फैसला किया।
- **स्वियातेक फाइनल में** – इगा स्वियातेक ने एलिना स्वितोलिना को 6-3, 1-6, 6-3 से हराकर कनाडियन ओपन के फाइनल में जगह बनाई।
- **रिबाकिना से होगा मुकाबला** – एलेना रिबाकिना ने कोको गॉफ को 5-7, 6-2, 6-2 से हराकर स्वियातेक के साथ फाइनल मुकाबला तय किया।

अटल-जादरान में 231 रन की साझेदारी, 16 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

अफगानिस्तान ने आयरलैंड को 42 रन से हराया

एजेंसी ▶▶ बेलफास्ट

अफगानिस्तान ने बुधवार को बेलफास्ट में आयरलैंड पर 42 रन की जीत दर्ज की। टीम ने 5 मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली। सीरीज का आखिरी मैच 15 अगस्त को बेलफास्ट में ही खेला जाएगा।

अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 343 रन बनाए। सेदिकुल्लाह अटल ने 143 और इब्राहिम जादरान ने 107 रन बनाए। जवाब में आयरलैंड 48 ओवर में 301 रन पर ऑलआउट हो गई। एंडी बालबर्नी ने 109 और कर्टिस कैम्फर ने 84 रन बनाए।

अफगानिस्तान से यमीन अहमदजई ने 4 विकेट और राशिद खान ने 3 विकेट लिए। आयरलैंड के मैकडोनफ ने 3 और गेविन होई ने 2 विकेट चटकाए। अटल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

अफगानिस्तान को शुरूआत में ही झटका लगा। पिछले मैच के टॉप स्कोरर रहमानुल्लाह गुरबाज दूसरे ओवर में आउट हो गए। इसके बाद अटल और जादरान ने दूसरे विकेट के लिए 231 रन की साझेदारी करके पारी संभाली। यह वनडे में अफगानिस्तान के लिए इस विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है।

दोनों ने 16 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। यह रिकॉर्ड करीन सादिक और मोहम्मद शहजाद के नाम था, जिन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ 218 रन की साझेदारी की थी।

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया
प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent
Middle School, Bhairavgar

जमीन बेचना है
ग्राम सुमराखेड़ा (तहसील तराना) में मेन रोड से एक खेत छोड़कर रेल पटरी से दक्षिण दिशा में भूमि खेत साढ़े तीन बीघा एवं बिड़ ढाई बीघा बेचना है।
संपर्क करें
940 6801069

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

खरीदना / किराए से चाहीए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहीए
संपर्क
9893374872

किराए से देना है
ऑफिस किराए से देना है सी/21 नानाखेड़ा बस स्टैंड के सामने श्रीगंगा के ऊपर प्रथम मंजिल फ्रंट साईड लगभग 500 वर्ग फिट फाइनेंस कंपनी,या मोबाईल कंपनी को प्राथमिकता दी जावेगी
संपर्क करें - रवि गुप्ता
9926466157

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता
रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोन: 7869850570
9827832632

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क
9111328540

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता
रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोन: 7869850570
9827832632

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें
9575555715, 9425094114

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

प्रॉपर्टी बेचना है
प्रॉपर्टी बेचना है इंदौर में 1. 700, sqft शॉप मेन रोड, 2. 1500,sqft plot भवर कुआं चौराहे पर, 3. 1500,sqft plot पर बना हुआ शोरूम मेन खंडवा रोड पर, 4. 2,लाख किराए पर लगे बैंक, 5. हॉस्टल विष्णुपुर में, 6. शोरूम विजय नगर में, 7. 1200,sqft रानी बाग में 8. 1500,sqft इंद्रपुरी में 9. रेस्टोरेंट विजय नगर में, 10. लक्जरी फार्म हाउस
संपर्क करें
पीसी राजपूत रीयल एस्टेट
9893713817

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओ की
(अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय
10 से 01 बजे तक
आवेदन: 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल
36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन
फोन नम्बर:-2557390

तुरंत आवश्यकता है
1 ग्राम ज्वेलरी व आर्टिफिशियल ज्वेलरी की मार्केटिंग के लिए युवक-युवतियों की आवश्यकता है। वेतनमान 15000 से शुरु। ड्यूटी 8 घंटे। कार्य क्षेत्र सिर्फ उज्जैन शहर के लिए।
नोट: इच्छुक व्यक्ति एजेंसी लेने हेतु संपर्क करें।
बाबा डायरेक्ट मार्केटिंग कंपनी
मालीपुरा, उज्जैन
मोबाइल- 9981248359